दैनिक

प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

मुरादाबाद से प्रकाशित

RNI NO-
UPBIL/2021/83001

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

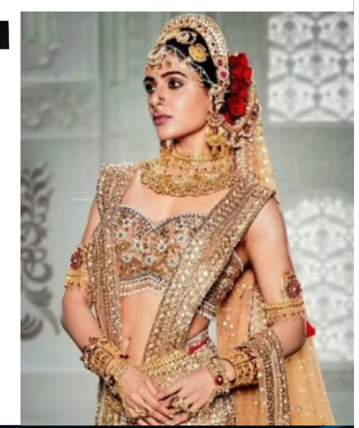

वर्ष :- 02 अंक :- 344 मुरादाबाद, 15 April 2023 (Saturday) पृष्ठ :- 08 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम मोदी ने पूर्वोत्तर का पहला AIIMS देश को समर्पित किया, असम को दी 14300 करोड़ की सौगात

पीएम मोदी ने तीन अन्य मेडिकल कॉलेजों का भी उद्घाटन किया। एम्स गुवाहाटी की आधारशिला मई 2017 में पीएम मोदी ने ही रखी थी। इसे 1120 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनाया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को असम की राजधानी गुवाहाटी में एम्स का उद्घाटन किया। उन्होंने पूर्वोत्तर के पहले एम्स को देश को समर्पित किया। इसके अलावा उन्होंने तीन अन्य मेडिकल कॉलेजों का भी उद्घाटन किया। इसमें गुवाहाटी स्थित कोकराझार, नलवारी और नगांव महाविद्यालय और चिकित्सालय शामिल हैं। एम्स गुवाहाटी की आधारशिला मई 2017 में पीएम मोदी ने ही रखी थी। इसे 1120 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनाया गया है। इसके अलावा पीएम ने असम को 14300 करोड़ रुपये की सौगात दी।

असम को 3 नए मेडिकल कॉलेज भी मिले

इस दौरान क्क्रू मोदी ने कहा कि आज उत्तर पूर्व को अपना पहला AIIMS और असम को 3 नए मेडिकल कॉलेज मिले हैं। ढ्ढञ्ज-गुवाहाटी के साथ मिलकर आधुनिक रिसर्च के लिए 500 बिस्तर वाले सुपर स्पेशलिटी वाले अस्पताल का भी शिलान्यास हुआ है। असम के लाखों-लाख साथियों तक आयुष्मान कार्ड पहुंचाने का काम मिशन मोड पर शुरू हुआ है। आईआईटी-गुवाहाटी के साथ मिलकर आधुनिक रिसर्च के लिए 500 बिस्तर वाले सुपर स्पेशलिटी वाले अस्पताल का भी शिलान्यास हुआ है। असम के लाखों-लाख साथियों तक आयुष्मान कार्ड पहुंचाने का काम मिशन मोड पर शुरू हुआ है। पिछले नौ साल में हमने इंफ्रा प्रोजेक्ट्स पर काम किया है और इसलिए हर कोई कनेक्टिविटी से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की बात करता है। प्रधानमंत्री ने कहा, हम आपके सेवक होने की भावना से काम करते हैं, इसलिए नॉर्थ-ईस्ट हमें दूर भी नहीं लगता और अपनेपन का भाव भी बना रहता है। आज नॉर्थ-ईस्ट में लोगों ने विकास की बागडोर आगे बढ़कर खुद संभाल ली है। भारत के विकास के मंत्र को लेकर आगे बढ़ रहे हैं।

राष्ट्र प्रथम, देशवासी प्रथम पर आधारित नीतिः पीएम मोदी

उन्होंने कहा कि क्ष्छ्वक्क की सरकारों में नीति, नीयत और निष्ठा किसी स्वार्थ से नहीं बल्कि राष्ट्र प्रथम, देशवासी प्रथम इसी भावना से हमारी नीतियां तय होती हैं। इसलिए हमने वोटबैंक की बजाए देश की मुश्किलों को कम करने पर ध्यान दिया। हमने लक्ष्य बनाया कि हमारी बहनों को इलाज के लिए दूर ना जाना पड़े। हमने तय किया कि किसी गरीब को पैसे के अभाव में अपना इलाज न टालना पड़े। हमने प्रयास किया कि हमारे गरीब परिवारों को भी घर के पास ही बेहतर इलाज मिले।

बाबा साहेब को श्रद्धांजलि अर्पित की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर की जयंती है। हमारे संविधान के निर्माण में बाबा साहेब की मुख्य भूमिका रही है।

संविधान में समाए समानता और समरसता के मूल्य ही आधुनिक भारत की नींव है। मैं इस पुण्य अवसर पर बाबा साहेब के चरणों में भी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। आज 21वीं सदी में हर भारतवासी के सपने और उसकी आकांक्षाएं असीम हैं। इनकी पूर्ति में लोकतंत्र के एक स्तम्भ के तौर पर हमारी सशक्त और संवेदनशील न्यायतंत्र की भूमिका भी उतनी ही अहम है।

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में बैसाखी उत्सव के दौरान हादसा, फुटब्रिज गिरने से 40 लोग घायल

जम्मू- जम्मू-कश्मीर में शुक्रवार को बड़ा हादसा हुआ है। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में शुक्रवार को एक फुटब्रिज गिरने से कई बच्चों सहित कम से कम 40 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि उधमपुर के गांव में बैसाखी का त्योहार मनाया जा रहा था। इस मौके पर खई श्रद्धालु यहां इकट्ठा हुए थे।

घायलों को किया गया अस्पताल में भर्ती

अधिकारियों ने कहा कि पुलिस और राहत दल मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया। बचाव दल ने लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। रेस्क्यू ऑपरेशन में महिलाओं और बच्चों को अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। बता दें कि हादसे का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में भगदड़ देखी जा सकती है। इस हादसे में किसी के भी गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं है।एम्बुलेंस घटनास्थल पर मौजूद हैं और घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। घायलों को उपचार के लिए CHC चेनैनी में ले जाया गया।

ओवरलोडिंग की वजह से टूटा ब्रिज

अधिकारियों ने बताया कि यह घटना बैसाखी समारोह के दौरान चेनानी प्रखंड के बैन गांव के बेनी संगम में हुई। यहां

पर एक फुट ब्रिज बनाया गया था। इस पर सिर्फ 20 लोगों के चलने की क्षमता है। शुक्रवार को इस फुट ओवर ब्रिज को क्षमता से अधिक भीड़ होने के कारण यह हादसा हुआ। भीड़ अधिक होने के कारण 150 लोग इस ब्रिज पर चढ़ गए थे। भार ज्यादा होने की वजह से यह पुल टूट गया।संभागीय आयुक्त (जम्मू) रमेश कुमार ने कहा कि पुल ओवरलोडिंग के कारण ढह गया क्योंकि बड़ी संख्या में लोग उस पर जमा हो गए थे। बैसाखी के चलते स्थानीय लोग और श्रद्धालु यहां पर त्योहार मनाने आए थे। ब्रिज टूटने की वजह से यहां अफरा-तफरी मच गई। भारी संख्या में लोग यहां पर इकट्ठा थे। हादसे में बच्चें और महिलाओं समेत 40 लोग घायल हो गए हैं।

डिंपल यादव ने सरकार पर साधा निशाना, बोलीं- उत्तर प्रदेश में उड़ रहीं लोकतंत्र की धज्जियां

मैनपुरी पहुंची डिंपल यादव ने अतीक अहमद के बेटे असद के एनकाउंटर पर योगी सरकार को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में लोकतंत्र की धज्जियां उड़ रहीं हैं। सरकार मनमानी पर उतारू हो गई है। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी पहुंची सपा सांसद डिंपल यादव ने प्रदेश सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने असद के एनकाउंटर पर कहा कि उत्तर प्रदेश में लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। सरकार मनमानी पर उतारू है। कहा कि जनता ये सब देख रही है। जल्द ही इसका माकूल जवाब देगी। सांसद डिंपल यादव शहर के मोहल्ला छपट्टी में आयोजित डॉ.

भीमराव आंबेडकर जयंती के कार्यक्रम में शामिल होने पहुंची थीं। यहां पत्रकारों से वार्ता करते हुए उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में लगातार फेक एनकाउंटर किए जा रहे हैं, जो न्याय संगत नहीं है। कहा कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है। लोकतंत्र कुछ नियमों और कानूनों से चलता है। लेकिन, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

सरकार मनमानी पर उतारू है- डिंपल यादव

उन्होंने कहा कि नियम और कानून को किनारे करके सरकार मनमानी पर उतारू हो गई है। कहा कि पूरे प्रदेश की जनता ये सब देख रही है। आने वाले समय में जनता इन सबका जवाब देगी। हालांकि चुनाव के सवाल पर उन्होंने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इसके बाद वे वापस सैफई लौट गईं।

सीसीटीवी कैमरों से अपराधियों की हुई पहचान

ज्ञात हो कि बीती 24 फरवरी को प्रयागराज में राजू पाल हत्याकांड के गवाह उमेश पाल और उनके दो सरकारी गनर को बीच सड़क पर दिनदहाड़े गोलियों से भून दिया गया था। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में माफिया अतीक अहमद का बेटा असद, गुलाम, साबिर, अरमान और विजय चौधरी उर्फ उस्मान गोलियां चलाते हुए नजर आए। जबकि गुड्डू मुस्लिम ने बम बरसाए थे।

सपा मुखिया और बसपा सुप्रीमो भी सरकार को निशाने पर लिया

इस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस अब तक चार अपराधियों का एनकाउंटर कर चुकी है। गुरुवार को पुलिस ने झांसी में अतीक अहमद के बेटा असद और गुलाम को एनकाउंटर में मार गिराया।

इसको लेकर विपक्ष लगातार प्रदेश सरकार पर हमलावर है। अब सांसद डिंपल यादव ने सरकार के इस कदम पर टिप्पणी की है। इससे पहले सपा मुखिया अखिलेश यादव, बसपा सुप्रीमो मायावती भी सरकार को घेर चुकी हैं।

125 फीट ऊंची बाबा साहब की मूर्ति का सीएम केसीआर ने किया अनावरण, डॉ. आंबेडकर के पोते भी थे मौजूद

राव ने प्रतिमा के स्वरूप की तारीफ की। उन्होंने कहा कि प्रतिमा कल्पना से ज्यादा बेहतर बनी है। उन्होंने कहा कि हम देश के गौरव डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण करने जा रहे हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने हैदराबाद में डॉ. बी आर अंबेडकर की 125 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया। इस दौरान सीएम के साथ-साथ डॉ. अंबेडकर के पोते और वंचित बहुजन अघाड़ी के अध्यक्ष प्रकाश अंबेडकर भी मौजूद रहे।

पार्टी का बदला था नाम

तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने राष्ट्रीय राजनीति में कदम रखते ही पार्टी का नाम बदल दिया था। असल में उन्होंने दशहरा के दिन अपनी पार्टी तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) का नाम बदल कर भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) रख दिया था।

कल्पना से बेहतर प्रतिमा

राव ने प्रतिमा के स्वरूप की तारीफ की। उन्होंने कहा कि प्रतिमा कल्पना से ज्यादा बेहतर बनी है। उन्होंने कहा कि

हम देश के गौरव डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण करने जा रहे हैं। इस देश आने वाली पीढ़ियों के लिए संविधान निर्माता के रूप में सामाजिक न्याय के लिए लड़ने वाले योद्धा के तौर पर उनकी मेहनत और बलिदान शाश्वत है। केवल दलित ही नहीं, आदिवासी, बहुजन, भारत के लोग जहां भी उन्हें भेदभाव का सामना करना पड़ा वहां बाबसाहेब की महत्वाकांक्षा साकार हुई। हम उनके लिए जितना भी करें कम है। उन्होंने बताया कि अनावरण के अवसर पर मूर्तिकार 98 वर्षीय पद्म भूषण राम वनजी सुतार कृष्णा को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। उनका कार्यक्रम के दौरान सम्मान किया जाएगा।

हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा

राव ने हाल ही में अंबेडकर प्रतिमा के उद्घाटन, नए सचिवालय भवन परिसर के उद्घाटन और अन्य मुद्दों को लेकर मंत्रियों और अधिकारियों के साथ बैठक की थी। बैठक में निर्णय लिया गया कि अंबेडकर की प्रतिमा पर शुक्रवार को हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की जाएगी।

सभी जरूरी इंतजाम के निर्देश

केसीआर ने कहा कि डॉ. अंबेडकर की आकांक्षाओं को साकार करने के लिए राज्य सचिवालय का नाम उनके नाम पर रखा गया है। उन्होंने प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर राज्य के कोने-कोने से आने वाले अतिथियों की सुविधा के लिए सभी इंतजाम करने का निर्देश दिया है। उनके लिए टेंट, पीने के पानी, छाछ आदि की व्यवस्था की गई है। बाबासाहेब को भव्य तरीके से श्रद्धांजलि देने के लिए विशेष हेलिकॉप्टर से पुष्पवर्षा की जाएगी। गुलाब, सफेद गुलदाउदी और पान के पत्तों की एक बड़ी माला बनाई गई है। क्रेन से हटाई जाएगी पर्दा- बता दें, डॉ. अंबेडकर की 125 फीट ऊंची प्रतिमा पर लगे विशाल पर्दे को हटाने के लिए क्रेन का इस्तेमाल किया जाएगा। साथ ही कार्यक्रम में बौद्ध भिक्षु भी शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर खेल-कूद और गीत-संगीत के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन होगा। अनावरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. बी आर अंबेडकर के प्रपौत्र प्रकाश अंबेडकर को आमंत्रित किया गया है। 750 बसों का संचालन- यह सुनिश्चित करने की व्यवस्था की गई है कि सभी 119 निर्वाचन क्षेत्रों के 35,000 से अधिक लोग अंबेडकर प्रतिमा अनावरण सभा में शामिल हों। इसलिए राज्य द्वारा संचालित सड़क परिवहन निगम की 750 बसों का संचालन किया जाएगा।

संपादकीय Editorial

Towards the face of mobilization...

Bihar Chief Minister Nitish Kumar and Deputy Chief Minister Tejashwi Yadav met Rahul Gandhi at Congress President Mallikarjun Kharge's residence. Some things also happened. This is an important political development in view of the mobilization of the opposition. However, no concrete conclusion can be reached yet. Claims of opposition unity cannot be made either. Although such claims have not been made. Former Congress President Rahul Gandhi has definitely said that whoever comes along, will take him along. The battle of ideology will continue in the country. Nitish Kumar made it clear that we are with the Congress in uniting the opposition. That is, Congress should become the axis of opposition alliance and mobilization, this is Nitish's political intention. After this meeting, Nitish and Tejashwi also met Delhi Chief Minister and Aam Aadmi Party (AAP) national convenor Arvind Kejriwal. Congratulations on the national status of AAP. Some politics must have happened and Congress must have been mentioned. This can also be considered an important effort in the direction of mobilization, but it will take time to be a part of the like-minded and coalition. Kejriwal also said the same. At present, two possible reports are being received. One, Nitish Kumar can be made the convenor of UPA by the end of this month. Secondly, a big public meeting of the opposition can be organized at the historic Ramlila Maidan in Delhi. It may give some clear indications as to what the face of opposition mobilization would be. Will leaders of powerful opposition parties like AAP, SP, Trinamool Congress and BRS also be present on that dais?

In which direction will the regional parties like BJD, Telugu Desam Party, YSR Congress, BSP etc. turn? Left parties, DMK, NCP, Shiv Sena (Uddhav faction) etc. are believed to be leaning towards Congress-Nitish politics. Of course there are contradictions and cracks in the opposition even today. In 2018-19 too, there were some attempts at opposition alliances and handshakes in the air, but they proved futile and futile. They remained mere photoshoots and the opposition continued to disintegrate. The differences in opposition and the issues of acceptance run deep. Every leader is under the misconception of considering himself as the Prime Minister. No one is accepting the need for unity of the opposition. Prime Minister Modi and the BJP have been fighting strong and relevant parties in different states. Has also won the election. Especially in the Lok Sabha elections, the mandate has been almost one-sided and in favor of the BJP. Modi's rule can be defeated only if the opposition mobilization is like 1977. Will Nitish Kumar prove to be 'Jayaprakash Narayan' in new contexts? We don't think so. However, Nitish can communicate with the parties and leaders towards whom the Congress is uncomfortable. Nitish also has such acceptance that even anti-Congress leaders will definitely listen to him. With whom the Congress is absolutely comfortable or with whom there is still an alliance situation, dialogue can be held at the Congress level, but the final alliance is not so easy and smooth. There are also some contradictions. For example, Sharad Pawar's NCP is in alliance with the BJP in the Nagaland government. However, in view of the 2024 general elections, opposition mobilization is absolutely necessary, otherwise it does not seem possible to defeat Modi and the BJP decisively.

Policy: Water management is the center of Mission Life, matter will also be raised in G-20 conference

India is committed to strengthen cooperation among G-20 member countries in water management using state-of-the-art technology. The origins of climate change can be traced to an economic theory known as the 'Tragedy of the Commons', which states that when individuals have access to a common resource, they act in their own best interest, regardless of their effects on others. Taking selfish decisions in view of The earth is our shared resource, and it is this human tendency that has pushed us into this menace known as climate change. Prime Minister Narendra Modi highlighted this in the year 2021 COP-26 held in Glasgow. One aspect that he explained was the concept of LIFE ie 'Lifestyle for the Environment'. Water is central to Mission Life. When India assumes the presidency of the G-20 on December 1, 2022, we share the vision of 'One Earth, One Family, One Future' with the motto of 'Vasudhaiva Kutumbakam'. If the world is to win over the crisis of climate change, the G-20 countries will have to make the most effort, as 80 percent of the world's emissions are due to these countries. Although the impact of climate change is widespread, water resource management is being discussed here. India is committed to strengthen cooperation among G-20 member countries in water resource development and management through sharing of technical experiences, best practices and use of state-of-the-art equipment and technology. India believes that water should be at the center of our development paradigm. The second meeting of the Environment and Climate Sustainability Working Group (ECSWG) organized by the Ministry of Environment, Forest and Climate Change at Gandhinagar during March 27-29, 2023 was an event on water resource management led by the Ministry of Jal Shakti. With countries gathering to reiterate their commitments towards water security, India reaffirms that its priorities, policy and actions are organically linked to achieving the goals set by the SDGs. Several presentations were made on diverse topics like integrated and sustainable use of water resources/ecosystem management, water body restoration, river conservation, rain water management, etc., which would be of immense value to all G-20 members. Under the visionary leadership of Modi ji, the Government of India has taken several initiatives to improve the quality of life of its 1.4 billion people. An integrated Jalshakti Ministry was created to have greater coordination and coordination for water management in the country. Through Jal Jeevan Mission, the world's largest drinking water supply programme, tap water connections have been provided to more than 11.6 crore households today. According to recent studies, the availability of safe drinking water would save the lives of 1.36 lakh children under the age of five. Our other flagship campaign, the Swachh Bharat Abhiyan, made India 100% open defecation free by building over 100 million toilets, which according to a World Health Organization study, saved the lives of three lakh children. India also shared the work done on water resource development through strategies for climate resilience, including critical water storage infrastructure and participation, dam rehabilitation programs for better management of groundwater. The delegation also visited the stepwell at Adalaj Vav in Gujarat to see the ancient water management practices of India. This was followed by a visit to the Sabarmati Siphon Structure, a modern engineering marvel that showcased India's ability to design and execute challenging water infrastructure projects. The second ECSWG meeting is an important step in promoting the efforts of G-20 countries and international organizations towards a sustainable future.

Struggling pioneer of social revolution: Babasaheb

Babasaheb was a fighting pioneer of social revolution. He did an incomparable work to transform the Indian society. The personality, works and thoughts of Dr. Ambedkar, the preacher and nurturer of social revolution, considering the footprints of great souls like Lord Buddha, Saint Kabir, Mahatma Phule as the goal path, are multifaceted. He has had a keen eye on every aspect of Indian national political and social life and has also influenced it. Like a dedicated Karmayogi, Bharat Ratna Baba Saheb has done the incomparable work of changing the Indian society till his death. His Karma Yoga, struggle and reformism is a symbol of self-respect. The questions related to Dalit, exploited and deprived society were always prominent in his thinking. The 132nd birth anniversary of Bharat Ratna Dr. Bhimrao Ambedkar, the great leader of the constitution maker of the century, the great social reformer, is being celebrated. Bharat Ratna, Baba Saheb Dr. Bhimrao Ambedkar, the great man who gave democratic and progressive constitution to India, pioneer of egalitarian society, has taught us to rise from discrimination and adopt humanity in totality. He said that to improve the quality of education, the foundation of primary education has to be strengthened. After this, higher education will automatically improve. Education is the only medicine on our social miseries. It is the duty of every educated person to serve his poor and ignorant brothers. No one will come to give you rights, fight for it yourself and snatch it. There is more power in a pen than a thousand swords. Education is the milk of a lioness, whoever drinks it will growl. Get educated, get organized, fight. Be your own lamp. Baba Saheb has become an idea instead of a person. He is like a lamp to guide people in the dark. He wrote against Gandhi. That's why some Gandhians got irritated with him. He wrote on the evils from Hinduism to Islam, so the extremists on both sides got irritated with him. Ambedkar wrote on everything and wrote against almost every wrong and many attempts were made to redeem Ambedkar, and it continues to happen. You will find Ambedkar on placards and posters in the election campaign from the village head to the person fighting for the parliament. Ambedkar has been made a vote-maker. For whom Ambedkar fought, the issues for which he stood. Those issues remain today. Baba Saheb was the most educated person among his contemporaries. He got higher education through hard work. But from the early years of his life, he had himself experienced the conditions of inhuman evils, untouchability, discrimination, contempt and neglect and humiliation on the basis of caste in the society. But he did not do a single act in political and social life, which can be called anti-national or anti-social. Jail for Dr. Ambedkar's nationalism, opposition to British imperialism, participation in Satyagraha, acceptance of leadership of Gandhi and Congress and social reform apart from established or cherished norms of cooperation, eradication of untouchability, caste, exploitation, disparity as well as society It should be seen in the totality of nation building with the empowerment of neglected, exploited and backward classes. Only then can justice be done with Dr. Ambedkar's nation concept. Dr. Ambedkar believed that personal interest should always be at the back of the nation. We all have to keep personal interests separate from the interest of the country, otherwise the conflict of interests goes against the unity of the society and the nation. That is why he has said with great clarity, "There should be no doubt that I love my country very much. If there is a conflict between my own interest and the interest of the country, then I will always give priority to my country." It would be very appropriate to mention only two references among many references. After clashing with Gandhiji in the Round Table Conference, in spite of getting 'Separate Electoral Category' from the British Prime Minister, he entered into Poona Pact with Gandhi in 1932, giving up his caste interests keeping in mind the national interest, which made this country Saved from disaster and social disintegration. Another example can be seen in the context of his conversion. Dr. Ambedkar declared that he was a Hindu by birth, but would not die as a Hindu, that is, would convert. He announced this in 1936 but gave a long time of 20 years to the Indian Hindu society to overcome its shortcomings and treat Dalit, exploited society with equality and affection, which was not possible. Ultimately, he accepted Buddhism developed in Indian soil out of symbolic protest. He had said that while converting religion, I will not do anything that will cause any harm to senior Hindus. When he converted to Buddhism, a senior Hindu leader had said that we were afraid that Dr. Ambedkar might take a long jump. He may not take people to Islam or Christianity, but he took a high leap by adopting Buddhism. In fact, Ambedkar had seen that in order to avoid neglect, the untouchable society tries to hide its caste by changing its name in various ways. Ambedkar said that it is more honorable to change the money than to change the name like this. The nation has always been paramount for Dr. Ambedkar and he had said while giving a speech in Mumbai on 31st May, 1952, "Though I am of a fierce nature and I have a Even though there have been conflicts, I assure you that I will not allow India's reputation to be tarnished during my foreign visits. I have never committed treason. Even in the Round Table Council, I was 200 miles ahead of Gandhiji in matters of national interest. Many selfish politicians have imprisoned Ambedkar in their petty politics due to inequalities and struggling for centuries. But he was always ready and dedicated for nation building and national progress. Therefore, it is relevant to mention a part of his speech, "I accept that I have differences with the upper caste Hindus on some points, but I pledge before you that I will sacrifice my life for the protection of my motherland." Nation building was the only desire of Baba Saheb. That's why where he put his all in the upliftment of Dalit, exploited, deprived society, on the other hand he made all-purpose, all-inclusive provisions through the constitution, due to which today India is established as the most successful democracy in the whole world. It is sad that even in the field of higher education, some ignorant people spread rumors that Ambedkar did not make any fundamental contribution to the constitution, but he has put it down in the constitutions of the world. The Constitution was made by the Constituent Assembly / Drafting Committee. Ambedkar was made the chairman for Shobha. I wish the members of the committee had discharged their responsibilities, then TT Krishnamachari would not have said in the Constituent Assembly that one of the selected 7 members who made the constitution had resigned. One passed away. No need to tell this. The personality and work of Dr. Bhimrao Ambedkar is so vast and multidimensional that it is not possible to cover it in one article. That's why it is possible to mention some other useful topics helpful in nation building, but their importance cannot be denied in the perspective of nationalism. Opposition to formation of states on linguistic basis, establishment of Hindi as national language, education and quality of Sanskrit language, opposition to Article 370, his views on change of opinion, idea of usefulness of religion, labor policy, reforms, importance of urbanization, Mahad Satyagraha, Uniform Civil Code and Hindu Code Bill, the importance given to Shrimad Bhagwad Gita, etc. are many such ideas, which give knowledge of his national vision. The devotion and dedication with which this great man fought and tried to eradicate, change the evils prevailing in the Indian Hindu society and for the upliftment, equality and respect of the underprivileged, is exemplary. Today there is a need to imbibe his messages and stay away from any kind of intoxication. He has done immense favor to the nation. He is such a great person that it is difficult to be indebted to him. That's why there is a need to study Babasaheb in totality.- Dr. Nandkishore Shah

कलेक्टेट सभागार में बाबा साहब डा0 भीमराव अम्बेडकर जी का जन्मदिन हर्षोल्लास से मनाया गया

क्यूँ न लिखूं सच
मुरादाबाद -जिलाधिकारी श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह ने आज कलेक्टेउट सभागार में भारतीय संविधान के निर्माता बाबा साहब डा0 भीमराव अम्बेडकर जी के जन्मदिन पर माल्यापर्ण कर पुष्प अर्पित किए। विगत वर्षो के भांति बाबा साहब डा0 भीमराव अम्बेडकर जी का जन्मदिन कलेक्टेउट सभागार में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने बताया कि बाबा साहब अम्बेडकर जी ने अपना पूरा जीवन समाज के पिछड़े वर्गो, दलितों एवं गरीबों के उत्थान के लिए न्यौछावर कर दिया। उन्होंने सिर्फ सामाजिक न्याय व समाजिक असमानता के खिलाफ ही लड़ाई नहीं लड़ी, बल्कि उन्होंने महिला सशक्तिकरण, महिलाओं को बराबरी का अधिकार एवं अन्य महत्वपूर्ण सामाजिक पहलुओं की भी बात की। अपने प्रगतिशील विचारों के चलते बाबा साहब डा0 भीमराव अम्बेडकर जी आज करोड़ों भारतीयों के प्रेरणा स्त्रोत हैं।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन सुरेन्द्र सिंह, अपर जिलाधिकारी नगर आलोक कुमार वर्मा, एसपी ग्रामीण अखिलेश भदोरिया, नगर मजिस्टेउट ज्योति सिंह, एसीएम प्रथम मणि अरोरा सहित कलेक्टेउट स्टाफ उपस्थित रहा।

ललित कौशिक के खाते से लेनदेन का विवरण खंगाल रही पुलिस, नए सिरे से पूछताछ की तैयारी

मुरादाबाद-मूंढापांडे के पूर्व ब्लॉक प्रमुख व भाजपा नेता ललित कौशिक कानून के शिकंजे में फंसते जा रहे हैं। बुधवार को सिविल लाइंस पुलिस ने स्पोर्ट्स सामान के कारोबारी कुशांक गुप्ता की हत्या से संबंधित साक्ष्य बरामद किया। अगवानपुर ओवरब्रिज के समीप भाजपा नेता की निशानदेही पर सिविल लाइंस पुलिस ने 315 बोर के एक तमचे का खोखा बरामद किया। जबकि कुख्यात शूटर केशव सरन शर्मा की निशानदेही पर वहीं से एक कारतूस बरामद करने में पुलिस को सफलता मिली। अब पुलिस की नजर ललित कौशिक के उन बैंक खातों पर गड़ी है, जिससे लाखों रुपये के लेनदेन हुए हैं। रुपये के लेनदेन की तह तक जाने की कोशिश में पुलिस नए सिरे से ललित कौशिक से पूछताछ करने की तैयारी कर रही है। 12 जनवरी 2022 की रात महानगर के रामगंगा विहार में कारोबारी कुशांक गुप्ता के सिर में गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया गया। वारदात के 14 माह बाद 23 मार्च 2023 को सिविल लाइंस पुलिस ने कुशांक हत्याकांड का पर्दाफाश किया। पुलिस ने बताया कि कुशांक की हत्या की साजिश मूंढापांडे के पूर्व ब्लॉक प्रमुख ललित कौशिक ने रची। ललित कौशिक के इशारे पर उसके साले के भांजे केशव सरन शर्मा ने कुशांक के सिर में गोली मारी। घटना स्थल से शूटर को फरार कराने में बाइक चालक खुशवंत सिंह उर्फ भीम ने मदद की। तीनों आरोपी फिलहाल जेल में कैद हैं।पूर्व प्रमुख को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने उनके आवास पर छापेमारी की। वहां से प्रतिबंधित बोर की मैगजीन व आठ लाख रुपये नगद बरामद किए। नगदी व आर्म्स एक्ट के मामले में 11 अप्रैल को पुलिस ने पूर्व प्रमुख को रिमांड पर लिया। ललित कौशिक की निशानदेही पर रामगंगा स्थित चट्टा पुल के समीप 32 बोर का एक तमंचा बरामद किया गया। हालांकि नाइन एमएम की वह पिस्टल नहीं मिली, जिसकी खाली मैगजीन पूर्व प्रमुख के घर से बरामद हुई थी। आठ लाख रुपये के बावत ललित कौशिक ने पुलिस को बताया कि पांच लाख रुपये शूटर केशव सरन शर्मा, दो लाख रुपये खुशवंत सिंह उर्फ भीम व एक लाख रुपये विकास शर्मा को देने थे। ललित कौशिक के खिलाफ सिविल लाइंस पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया। बुधवार रात पौने नौ बजे से सवा 11 बजे तक दूसरी बार ललित कौशिक सिविल लाइंस पुलिस की रिमांड पर रहा। ललित कौशिक की निशानदेही पर अगवानपुर ओवरब्रिज के नीचे से 315 बोर की एक गोली का खोखा पुलिस ने बरामद किया। जबकि गुरुवार को शूटर केशव सरन शर्मा की निशानदेही पर अगवानपुर स्थित ओवर ब्रिज से 315 बोर का एक जिंदा कारतूस बरामद करने में पुलिस को सफलता मिली।ललित कौशिक की निशानदेही पर एक खोखा व केशव की निशानदेही पर एक कारतूस बरामद करने में पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस फिलहाल ललित कौशिक व उसकी बीवी के बैंक खातों के लेनदेन की डिटेल खंगाल रही है। लेनदेन से संबंधित सवाल ललित कौशिक से पूछे जाने शेष हैं। पुलिस कुशांक की हत्या की असल वजह का पता लगाने में जुटी है। -अर्पित कपूर, सीओ सिविल लाइंस, मुरादाबाद।

भारत रत्न बाबा साहेब ने दिए मौलिक अधिकार, समाज में आई समानता

मुरादाबाद- जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय गंज गुरहट्टी पर भारत के भारत रत्न व संविधान निर्माता बाबा भीमराव आंबेडकर की 132 वीं जयंती मनाई गई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। गोष्ठी में जिलाध्यक्ष असलम खुर्शीद ने कहा कि बाबा भीमराव आंबेडकर द्वारा रचित संविधान दुनिया का श्रेष्ठ संविधान है। बाबासाहेब ने भारत के पिछड़े दलित महिलाओं के लिए मौलिक अधिकार सुनिश्चित किए। श्रमिकों के लिए समता समानता का अधिकार दिया। महेंद्र सिंह बौद्ध ने कहा कि बाबासाहेब ने भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना की। कामगार श्रमिकों के लिए 10, 12 घंटे की ड्यूटी के उत्पीड़न से बचाकर 8 घंटे की ड्यूटी सुनिश्चित की विचार गोष्ठी में अनूप दुबे, श्याम सरन, विवेक गुप्ता, भयंकर सिंह बौद्ध, अफजल साबरी, राजेंद्र बाल्मीकि, गयूर अंसारी, मोहम्मद जुनेद, गंगाराम शर्मा आदि उपस्थित रहेडा. आंबेडकर ने दिलाया दलितों, वंचितों, पिछड़ों को अधिकार- मुरादाबाद। जिला व महानगर समाजवादी पार्टी की ओर से विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री, राजनेता, समाज सुधारक और संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 132वीं जयंती मनाई गई। पार्टी के पदाधिकारियों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए। कहा कि संविधान में उन्होंने दलितों, पिछड़ों, वंचितों का अधिकार सुनिश्चित किया। इस अवसर पर निवर्तमान जिलाध्यक्ष डीपी यादव, शाने अली, कुलदीप तुरैहा, तुंगीश यादव, जयपाल सिंह सैनी, लाखन सैनी, शीरीगुल, महेन्द्र सिंह, फरीद मलिक, हारून सैफी, बृजलाल जाटव, नाग भारती, फाजिल मलिक, कामिल मंसूरी, अशोक सैनी, राजीव यादव आदि उपस्थित रहे।

आंबेडकर प्रतिमा स्थापित को लेकर महिलाओं की पुलिस से नोकझोंक

मुरादाबाद-कोतवाली क्षेत्र के ग्राम धर्मपुर कला में ग्रामीणों ने प्रशासन से बिना अनुमति लिए ही आंबेडकर पार्क में बाबा साहब की प्रतिमा स्थापित कर दी। सूचना पर पहुंचे एसडीएम, सीओ और कोतवाली प्रभारी से प्रतिमा हटाने को लेकर महिलाओं की नोकझोंक भी हुई। अधिकारियों ने ग्रामीणों आचार संहिता का हवाला देते हुए बाद में प्रतिमा स्थापित करने का आश्वासन दिया। ग्राम धर्मपुर कला में आंबेडकर पार्क बना हुआ है। शुक्रवार को बाबा साहब भीमराव आंबेडकर की जयंती पर ग्रामीणों ने कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रशासन से बिना अनुमति लिए ही डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस से मूर्ति हटाने को लेकर महिलाओं की नोकझोंक हुई। बाद में एसडीएम राजबहादुर सिंह, सीओ अंकित कुमार और कोतवाली प्रभारी अमित कुमार घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों को समझाया कि बिना अनुमति के कोई भी प्रतिमा नहीं लगाई जा सकती है।

कहा कि इस समय आचार संहिता भी प्रभावी है, इसलिए उन्हें विधिवत प्रशासन से अनुमति लेनी पड़ेगी जिसके बाद ही प्रतिमा लगाई जा सकती है। इस बात पर महिलाएं और ग्रामीण भड़क गए। इस दौरान महिला पुलिस की महिलाओं से तीखी नोकझोंक भी हुई। महिलाओं का आक्रोश बढ़ते देख प्रशासन को पीएसी बुलानी पड़ी। इस दौरान भीम सेना के चेतन मुरादाबादी भी मौके पर पहुंच गए। वहां उन्होंने ग्रामीणों को समझाया। जिसके बाद बाबा साहब की प्रतिमा को हटाकर गांव में ही रखने पर सहमति बनी। एसडीएम ने कहा कि कहा कि आचार संहिता हटने के बाद प्रशासन से अनुमति लेकर बाबा साहब की प्रतिमा पुनः स्थापित करा दी जाएगी।

गर्मी ने छुड़ाया पसीना, 37 डिग्री पहुंचा अधिकतम तापमान

मुरादाबाद-तेज धूप और तापमान बढ़ने से लोग गर्मी से बेहाल हैं। पिछले कई दिनों से बढ़ रहा अधिकतम तापमान 37 डिग्री पहुंच गया। दोपहर में धूप झुलसाने पर आमादा है। तेज धूप से बचने के लिए लोगों को उपाय करने सावधानी बरतने की अपील जिला आपदा प्रबंध प्राधिकरण के जिला आपदा विशेषज्ञ पंकज मिश्र ने जारी की है। जिला अस्पताल के वरिष्ठ फिजिशियन डा. एनके मिश्रा ने भी तेज धूप से बचने की सलाह देते हुए अधिक से अधिक तरल पदार्थ और ताजा भोजन करने के लिए कहा है। महानगर में हरथला, पीलीकोठी आदि के पास गन्ने का जूस, लस्सी, कोल्डड्रिंक की दुकान पर लोग पहुंच कर इसका सेवन कर रहे हैं।जिला आपदा विशेषज्ञ पंकज मिश्र का कहना है कि मौसम विभाग द्वारा संभावना व्यक्त की गई है कि इस वर्ष पिछले वर्ष की तुलना में अधिक लू, गर्म हवा अधिक चलेगी। इसको देखते हुए आपदा प्रबन्ध प्राधिकरण नागरिकों को लू, गर्म हवा से बचाने के लिए अपील कर रहा है।

क्या करें?

प्रचार माध्यमों पर लू (हीट वेव), गर्म हवा की चेतावनी पर ध्यान दें। अधिक से अधिक पानी पिएं। हल्के रंग के पसीना शोषित करने वाले हल्के वस्त्र पहनें। धूप के चश्में, छाता, टोपी का प्रयोग करें, जिससे धूप से बचा जा सके। अगर आप खुले मे कार्य करते है तो सिर, चेहरा, हाथ पैरों को गीले कपड़े से ढके रहें तथा छाते का प्रयोग करें। यात्रा करते समय पीने का पानी अपने साथ ले जाएं। ओआरएस, घर में बने हुये पेय पदार्थ जैसे लस्सी, चावल का पानी (माड़), नीबू पानी, छाछ आदि का उपयोग करें, जिससे कि शरीर में पानी की कमी की भरपाई हो सके। हीट स्ट्रोक, हीट रैश, हीट क्रैम्प के लक्षणों जैसे कमजोरी, चक्कर आना, सरदर्द, उबकाई, पसीना आना, मूर्छा आदि को पहचानें। यदि मूर्छा या बीमारी अनुभव करते है तो तुरन्त चिकित्सीय सलाह लें। अपने घरों को ठण्डा रखे, पर्दे दरवाजे आदि का उपयोग करे तथा शाम/रात के समय घर तथा कमरों को ठण्डा करने हेतु इसे खोल दें। पंखे, गीले कपडो़ं का उपयोग करें। कार्य स्थल पर ठण्डे पीने का पानी रखें/उपलब्ध करायें। कर्मियों को सीधी सूर्य की रोशनी से बचने हेतु सावधान करे। श्रमसाध्य कार्यों को ठण्डे समय में करने,कराने का प्रयास करें। घर से बाहर होने की स्थिति में आराम करने की समयावधि तथा आवृति को बढाएं।

क्या न करें?

बच्चों को सड़क पर खड़ी गाडियों में न छोड़ें। दोपहर 12 से तीन बजे के मध्य सूर्य की रोशनी में जाने से बचें। गहरे रंग के और तंग कपड़ें न पहनें। जब बाहर का तापमान अधिक हो तब श्रमसाध्य कार्य न करें। अधिक गर्मी वाले समय में खाना बनाने से बचें, रसोई वाले स्थान को ठण्डा करने के लिए दरवाजे तथा खिड़कियॉ खोल दें। शराब, चाय, काफी, कार्बोनेटडे साफ्ट ड्रिंक आदि के उपयोग करने से बचें क्योंकि यह शरीर में निर्जलीकरण करता है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

टीकाकरण की प्रगति बढ़ाएं प्रभारी चिकित्साधिकारी, डीएम ने दिए निर्देश

मुरादाबाद-टीकाकरण और आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के लाभार्थियों का आयुष्मान कार्ड बनाने और उन्हें पांच लाख रुपये तक की निशुल्क चिकित्सा सुविधा दिलाने के लिए प्रभारी चिकित्साधिकारियों को गंभीरता दिखानी होगी। सरकारी अस्पतालों में आए मरीजों के इलाज में चिकित्सक कोताही न बरतें। यह निर्देश जिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में चिकित्सा एवं परिवार कल्याण, स्वास्थ्य विभाग की डीएचएस, जिला स्वास्थ्य सोसायटी के शासी निकाय की मासिक बैठक में दिए। उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, डिस्ट्रिक्ट टास्कफोर्स आदि कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा कर गुणात्मक सुधार करने के लिए कहा।

जिलाधिकारी को बताया गया कि पीएम जन आरोग्य योजना के अंर्तगत एक से 12 अप्रैल तक 20427 कार्ड रजिस्टर्ड किए हैं। इस पर जिलाधिकारी ने सभी चिकित्साधिकारियों को निर्देश दिए कि आयुष्मान कार्ड बनवाने में आशा, सीएचओ, आंगनबाड़ी कर्मी, पंचायत सहायक को लगाएं व नियमित प्रगति रिपोर्ट लेते रहें। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत चिकित्साधिकारी ने बताया कि आरबीएसके के तहत कटा होंठ व तालू, मोतियांबिंद, दिल में छेद, जन्म के बाद से छोटा या बड़ा होना, पैरों में टेढ़ापन, मूकबधिर आदि विकारों का इलाज निशुल्क कराया जाता है। इसका पूरा खर्च सरकार उठाती है। जिलाधिकारी ने प्रभारी चिकित्साधिकारियों से कहा कि अपने कार्यक्षेत्र में सिजेरियन प्रसवों की प्रगति पर भी ध्यान दें।

हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टरों के गुणवत्तापरक संचालन, एम्बुलेंस सेवाओं की व्यवस्था रखने के लिए कहा। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुमित यादव, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एमसी गर्ग, जिला अस्पताल के प्रमुख अधीक्षक, महिला अस्पताल की सीएमएस, जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनुपमा शांडिल्य, उप मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजीव बेलवाल, डॉ. एनके कुरैचया, नोडल अधिकारी, एनयूएचएम नोडल अधिकारी नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के अलावा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के डीपीएम रघुवीर सिंह, कोर पीसीआई के डॉ जावेद एवं रजनी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

क्यूँ न लिखूँ सच
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।
संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा इनसे उत्पन्न समस्त

राजू आर्य के नेतृत्व में बड़ी संख्या में अपना दल (एस) से जुड़ रहे हैं लोग

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूं सच

एटा - राजू आर्य के नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोग अपना दल (एस) से जुड़ रहे हैं। गुरुवार को अपना दल (एस) के अलीगढ़ व आगरा मंडल के समीक्षा प्रभारी अवनीश गौतम राष्ट्रीय सचिव एससी एसटी मंच एवं दोनों मंडलों के सह समीक्षा प्रभारी राज कुमार भुर्जी द्वारा संयुक्त रूप से जनपद पहुंचकर समीक्षा बैठक ली गई। जिले में पार्टी के सदस्यता अभियान प्रभारी रंजीत कुमार उर्फ राजू आर्य के पीएसी रोड स्थित आवास पर पहुंचकर चारों विधानसभा क्षेत्रों में किए गए पार्टी संबंधित कार्यों की समीक्षा बैठक की गई, जिसमें जिले भर के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता प्रमुख रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम में पहुंचे समीक्षा प्रभारी गणों का राजू आर्य एवं उनकी टीम द्वारा फूल माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। बैठक का शुभारंभ संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर एवं लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल तथा अपना दल के संस्थापक डॉ.सोनेलाल पटेल की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर किया गया। प्राप्त समाचार के अनुसार अपना एस की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री भारत सरकार अनुप्रिया पटेल के निर्देश पर एटा पहुंचे दोनों मंडलों के समीक्षा प्रभारी एवं सह समीक्षा प्रभारी द्वारा राजू आर्य से जिले भर में पार्टी के विकास हेतु किए गए कार्यों की जानकारी प्राप्त कर समीक्षा की गई। इस दौरान राजू आर्य ने पार्टी के पदाधिकारियों को जानकारी देते हुए बताया है

कि लगभग 5 हजार लोगों को अपना दल एस की सदस्यता ग्रहण कराई जा चुकी है। जिला, तहसील, विधानसभा क्षेत्र एवं विकासखंड सहित ग्रामीण अंचलों में पार्टी की

इकाइयां गठित कर दी गई है। उन्होंने यह भी बताया है कि नियमित रूप से समय-समय पर पार्टी के दिशा निर्देशों के तहत कार्यकर्ताओं के मध्य बैठक आयोजित कर पार्टी को मजबूत किए जाने के हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। अलार्म इंडिया न्यूज द्वारा रंजीत कुमार उर्फ राजू आर्य को जिले में नई जिम्मेवारी दिए जाने के संबंध में पूछे जाने पर अवनीश गौतम एवं राजकुमार भुर्जी ने बताया है कि समीक्षा रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद पार्टी के शीर्ष नेतृत्व द्वारा श्री आर्य को महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी दी जाएगी, दोनों पदाधिकारियों ने जोर देते हुए कहा है कि राजू आर्य के कार्यों से पार्टी शीर्ष नेतृत्व पहले से ही काफी संतुष्ट एवं प्रसन्न है, जिसका फल राजू आर्य को प्रदेश व जिला में पार्टी के किसी बड़े पद पर जल्द ही पदासीन करके मिलने वाला है। इस संबंध में श्री आर्य ने भी कहा है कि पार्टी नेतृत्व जो भी जिम्मेवारी देगा वह जिम्मेवारी पूरे तन मन धन के साथ पार्टी को आगे बढ़ाने में अदा की जाएगी। समीक्षा बैठक में ग्राम पंचायत रूपबनी के प्रधान विनोद यादव एवं ग्राम पंचायत गिरौरा के विपिन यादव, सतेंद्र यादव, मोनू ठाकुर, गजेंद्र गौतम , अखिलेश यादव कोयला , योगेंद्र कुमार , प्रदीप यादव किशु यादव, संजय भास्कर , संतोष कुमार, अनिल वर्मा, विनय यादव, अनिल यादव , हरी सिंह लोधी प्रधान, यतेंद्र वर्मा,कोमेश शाक्य, सुनील कश्यप सत्यवीर यादव , पुष्पेंद्र यादव, अवधेश वर्मा, विकास यादव, विकास राजपूत, रामकुमार यादव, नीतू यादव, अखिल ठाकुर सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे

डाक विभाग की गांधी मार्केट ब्रांच में विभाग के दागी कर्मचारियों का जमावड़ा

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूं सच

एटा - भारतीय डाक तार विभाग की शाखाओं का कार्य दिवस यूं तो 9बजे से शाम 5 बजे तक हैं।परंतु एटा मुख्यालय नाक तले गांधी मार्केट शाखा देर रात तक खुली रहती हैं चर्चाओं के हवाले से बताया गया है यहां विभाग के विभिन्न घपले परक आरोपों में दंडित दागी कर्मचारियों नियमित आते हैं शराब आदि पार्टी का दौर चलता है अनेक जानकारों ने दागी कर्मचारियों के उक्त ब्रांच में बैठने कामकाज में दखल रखने से किसी बड़े घपले की आंशका व्यक्त की तो जागरूक प्रेस प्रतिंधियों ने वास्तविकता सत्यापित करने के लिए सिक्रेट आप्रेशन टाइगर चलाया जिसने लगा सी दो दिन तक वॉच करते हुए उक्त ब्रांच की संदिग्ध गतिविधियों का खुलासा किया जैसा कि वीडियो से स्पष्ट हो रहा हैं। गोपनीय तरह

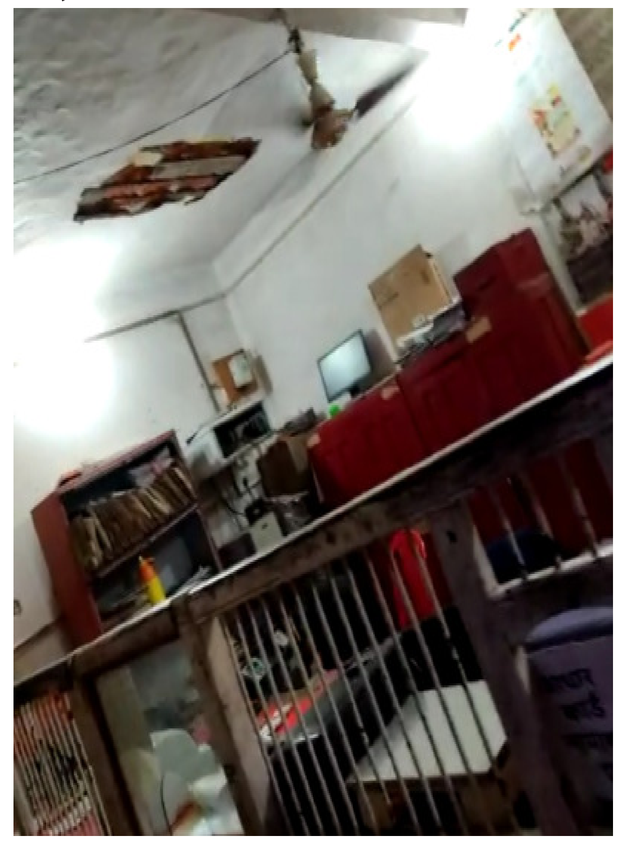

से किए गए वीडियो फिल्मांकन में स्पष्ट हुआ कि शाम साढ़े सात ने से 9 बजे तक ब्रांच खुली हुई थी जहां मजे से कुछ दागी कर्मचारी सिगरेट गुटका फूंक रहे थे। बताते हैं आप्रेशन करने बाली प्रेस टीम के सामने आते ही शराब की बॉटल हटा दी गई लगातार 11,12 अप्रैल की शाम से लेकर उक्त डाक ब्रांच में आफिस वर्क के अलावा मौज मस्ती का आलम रहा। वीडियो में सिगरेट फूंक रहे व्यक्ति की एवं दाढ़ी रखे युवक की असलियत पता की तो पता लगा यह जलेसर में सन 2012-3013 में लाखों का गबन एवं घपला कर चुका विभाग का बर्खास्त कर्मी है दूसरा आधार कार्ड बनवाने बाला दलाल। देर रात तक डाक घर खोले जाने के सवाल पर उक्त ब्रांच के पोस्ट मास्टर ने बताया कि काम की अधिकता के कारण ब्रांच खोले हुए हैं जब उनसे कहा गया

असमय शाखा खोले जाने की सूचना आपके मुख्यालय को दी गई है तो वे बंगले झांकने लगे। अब सवाल उठता हैं जहां पूरे जिले के डाक घर कमोबेश छ बजे तक बंद हो जाते हैं वहां इस डाक घर की संदिग्ध गतिविधियों पर विभागीय डाक अधीक्षक की मेहरबानी क्यों हैं ? ऐसे में किसी बड़े गोलमाल की आशंका से इंकार नही किया जा सकता।

निकाय चुनाव को लेकर एसएसपी ने सभ्रांत नागरिकों के साथ की बैठक

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूं सच

एटा - एसएसपी उदयशंकर सिंह ने नगर निकाय चुनाव के दृष्टिगत संभ्रात नागरिकों के साथ बैठक की। बैठक में सभी को चुनाव में ईमानदारी बरतने की हिदायत देते हुए अराजक तत्वों पर कडी कार्रवाई की चेतावनी दी। जिससे निकाय चुनाव शांतिपूर्ण संमपन्न कराया जाय। बैठक के बाद उन्होने कस्बा में पैदल मार्च करते हुए संवेदनशील बूथों का निरीक्षण भी किया। बैठक को संम्बोधित करते हुए एसएसपी ने कहा, कि आचार संहिंता का कडाई से पालन किया जाय वहीं

उल्लंधन करने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाये। कोई भी राजनैतिक सभा, जुलूस, बिना अनुमति के नहीं की जायें। चुनाव किसी भी धार्मिक अनुष्ठानों की भी अनुमति प्रशासन से लेनी होगी। किसी बूथ पर शांति भंग की संम्भावना है तो पुलिस को सूचित करें जिससे अपराधियों पर कार्रवाई अमल में लाई जा सके। एसडीएम सदर शिवकुमारसिंह ने बताया कि मतदाता सूची का कार्य पूर्ण हो चुका है अगर किसी प्रत्याशी का वोट कट गया है तो अपना आवेदन कर सकता है

जिसका जोच के बाद वोट बना दिया जायेगा। इस दौरान सीओ सुनील कुमार त्यागी, ईओ केएन मिश्रा, थाना प्रभारी सतपाल सिंह, एस आई अफसर खां, वीरपाल सिंह, अनिल कुमार यादव, विजय कुमार शास्त्री, राहुल भारद्वाज, गोल्डी गुप्ता, महेन्द्र सिंह दिवाकर, डा0 शिव कुमार भारद्वाज, गौरव गुप्ता, दिनेश चंद्र यादव प्रधान, बबलू चैहान, कृष्ण गोपाल गुप्ता आदि लोग मौजूद रहे।

सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ मनाई डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की 132 जयंती

लवकुश ठाकुर
क्यूँ न लिखूँ सच

अलीगढ- भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष महानगर ठाकुर राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में धनीपुर कार्यालय पर डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की 132 वी जयंती बड़े हर्ष उल्लास के साथ मनाई गई बाबा साहब की जयंती प्रतिवर्ष पूरे देश भर में मनाई जाती है उनको याद किया जाता है इस अवसर पर क्षेत्र के प्रमुख नागरिक एवं कार्यकर्ता किसान उपस्थित रहे भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष महानगर ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

धनीपुर भाजपा के मंडल अध्यक्ष ठाकुर कुशल पाल सिंह ने दीप प्रज्वलित किया भारत माता की जय वंदे मातरम बाबा साहेब अमर रहे जमकर नारे लगाए इस अवसर पर उपस्थित ठाकुर उदयवीर सिंह विजय पाठक युवा भाजपा नेता अनिल ठाकुर युवा भाजपा नेता अक्षय ठाकुर महेंद्र कुमार पाठक मोनू शर्मा राकेश पाठक अशोक कुमार बाल्मीकि आदि किसान कार्यकर्ता उपस्थित रहे

किशोरी को बहला फुसलाकर ले गए

लवकुश ठाकुर
क्यूँ न लिखूँ सच

अलीगढ-हरदुआगंज। क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने 14 वर्षीय बेटी के लापता होने के मामले में एक व्यक्ति और उसके भांजे पर अपहरण करने और पूछने पर मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है। पीड़ित का आरोप है कि पहले से ही यह व्यक्ति और उसका भांजा उसकी बेटी को परेशान करता आ रहा है। उनके डर से उसने बीते माह बेटी की शादी तय कर दी थी, लेकिन नाबालिग होने के कारण पुलिस ने विवाह करने से मना कर दिया था। नौ अप्रैल की जब वह पत्नी समेत खेत पर था। तभी रात में आरोपी उसकी बेटी को बहला-फुसलाकर ले गया। उसने गांव के एक व्यक्ति से पूछा तो उसने मारपीट कर दी और जान से मारने की धमकी दी। थाना प्रभारी निरीक्षक बृजपाल सिंह का कहना है कि उन्हें इस संबंध में कोई तहरीर नहीं मिली है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

प्रधानपति और मुस्लिम समाज के युवकों के बीच हुई मारपीट

लवकुश ठाकुर-क्यूँ न लिखूँ सच

अलीगढ- हरदुआगंज। थाना क्षेत्र की बुढ़ासी चौकी के सिकंदरपुर माछुआ में ग्राम प्रधान पति और गांव के मुस्लिम समाज के युवकों के बीच रात को मारपीट हो गई। गांव के काफी लोगों ने रात में ही थाने पहुंचकर प्रधान पति के खिलाफ तहरीर दे दी। प्रधान पति का आरोप है कि मुस्लिम युवक खेत से भूसा चोरी कर रहे थे। थाने पर हंगामा होता देख पुलिस ने दोनों पक्षों के युवकों को थाने में बिठा लिया।

बाद में प्रधान संगठन के अध्यक्ष सुनील शर्मा और क्षेत्र के अन्य संभ्रांत लोगों ने समझाबुझाकर और रमजान का हवाला देकर दोनों पक्षों में सुलह करा दी। लिखित समझौता मिलने पर पुलिस ने हिरासत में लिए गए युवकों को छोड़ दिया। थाना प्रभारी निरीक्षक बृजपाल सिंह का कहना है कि मामूली कहासुनी के बाद दोनों पक्षों के बीच आम सहमति से समझौता हो गया था।

छेड़खानी के मामले में एटा के कथावाचक पर मुकदमा दर्ज

लवकुश ठाकुर-क्यूँ न लिखूँ सच

अलीगढ- हरदुआगंज थाना क्षेत्र के एक गांव की किशोरी के साथ छेड़खानी के मामले में एटा के कथावाचक पर मुकदमा दर्ज हो गया। किशोरी के पिता का आरोप है कि उनके गांव में दिसंबर 2022 में भागवत कथा हुई थी। कथावाचक गौरव यादव पुत्र दिनेश चंद्र यादव निवासी कन्होली, रिजोस, एटा अपनी मंडली सहित उनके घर में रुका था। उससे जान पहचान हो गई। कथावाचक गौरव यादव बेटे की शादी कराने के लिए कह रहा था। इस सिलसिले में उसका दो-तीन बार घर आना हुआ। 13अप्रैल की रात परिवार के पुरुष खेत पर गए थे। एक नाबालिग और एक बालिग बेटी थी। रात्रि में समय करीब 11 बजे गौरव यादव अपने दो अज्ञात साथियों के साथ आया और नाबालिग बेटी से गौरव यादव ने छेड़छाड़ कर दी। इसका विरोध किया तो गौरव यादव नाबालिग बेटी को बहला- फुसलाकर कार में लेकर जाने लगा। तभी कार भूसा से भरी ट्रैक्टर ट्राली में टकरा गई। गौरव व ट्रैक्टर चालक की कहासुनी हो गई। इसका फायदा उठाकर बेटी घर आ गई। सुबह वे घर पर पहुंचे तो बेटी ने पूरा वाकया बताया। इसके बाद उसके खिलाफ तहरीर देकर हरदुआगंज थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। सीओ अतरौली विशाल चौधरी ने मुकदमा दर्ज किए जाने की पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपी की तलाश की जा रही है

लू से बचाब के लिये कलक्ट्रेट सभागार में एकदिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

निशाकांत शर्मा -क्यूँ न लिखूं सच

एटा -जनपद में लू-प्रकोप (हीट वेव) से बचाव एवं राहत कार्य सुनिश्चित किए जाने हेतु जिलाधिकारी अंकित कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट सभागार में एकदिवसीय कार्यशाला सम्पन्न अस्पतालों, पी.एच.सी, सी.एच.सी. में ओ.आर.एस. और तरल पदार्थ के पर्याप्त स्टॉक की व्यवस्था की जाये लू के दौरान ''क्या करें और क्या न करें ' की जानकारी विद्यालयों में छात्र-छात्राओं, जनसामान्य को प्रदान की जाएनगरीय निकाय एवं ग्रामीण क्षेत्र, ब्लाक, तहसील एवं कार्यालयों में जनसामान्य हेतु पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए-डीएम कार्यशाला के अवसर पर एडीएम वित्त एवं राजस्व, सीवीओ एके सिंह, कृषि अधिकारी मनवीर सिंह, बीएसए संजय सिंह, एसीएमओ, डीआईओएस मिथलेश कुमार, समस्त बीडीओ, समस्त ईओ, आपदा विशेषज्ञ आदि मौजूद रहे।

सांसद अरोड़ा ने हलवारा फ्लाइट के लिए सभी एयरलाइंस के सीईओ को लिखा पत्र

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना - जनता के व्यापक हित में एक और पहल करते हुए क्आप% सांसद (राज्यसभा) संजीव अरोड़ा ने विस्तारा, एयर इंडिया, इंडिगो, एयर इंडिया एक्सप्रेस, स्पाइस जेट, आलियांज एयरलाइंस, गो एयर और गो फर्स्ट के सीईओ को लुधियाना (हलवारा हवाई अड्डा) से दिल्ली (आईजीआई) की उड़ानों के संबंध में पत्र लिखा है। सीईओज़ को लिखे अपने पत्र में संजीव अरोड़ा ने लिखा है कि हलवारा हवाई अड्डे (लुधियाना) के टर्मिनल का काम जोरों पर है और उम्मीद है कि यह जून 2023 के अंत तक तैयार हो जाएगा। उन्होंने कहा कि निर्माणाधीन हवाईअड्डा रनवे के साथ एक पूर्ण विकसित हवाईअड्डा होगा, जिस पर बड़े आकार के विमान उतर सकेंगे। संजीव अरोड़ा ने सीईओज़ से अनुरोध किया कि आईजीआई दिल्ली से हलवारा हवाई अड्डे के लिए शुरू होने वाली उड़ानों को समायोजित करने के लिए विमानों के कार्यक्रम की योजना बनाएं। उन्होंने यह भी लिखा कि लुधियाना एक औद्योगिक और शैक्षिक केंद्र होने के नाते उड़ानें निश्चित रूप से व्यावसायिक रूप से सफल होंगी। सांसद के रूप में कार्यभार संभालने के बाद से, संजीव अरोड़ा हलवारा हवाई अड्डे के तेजी से और समय पर पूरा होने को सुनिश्चित करने के लिए संबंधित केंद्रीय मंत्रियों और अधिकारियों के साथ लगातार इस मामले को उठाते रहे हैं। उन्होंने हवाई अड्डे के निर्माण में चल रहे कार्यों की समीक्षा करने के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ व्यक्तिगत दौरे भी किए हैं। इस बीच, संजीव अरोड़ा ने कहा कि यहां तक कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी इस परियोजना में गहरी दिलचस्पी ले रहे हैं, उन्होंने कहा कि इस साल जनवरी में मुख्यमंत्री ने खुद भी सिविल एयर टर्मिनल हलवारा में चल रहे काम का निरीक्षण किया था और अधिकारियों को काम में तेजी लाने के लिए कहा था ताकि निर्माण कार्य अतिशीघ्र पूरा किया जा सके। संजीव अरोड़ा ने कहा कि राज्य सरकार सिविल एयर टर्मिनल का काम जल्दी पूरा करने के लिए पहले ही 50 करोड़ रुपये जारी कर चुकी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने सही कहा है कि यह प्रोजेक्ट पंजाब को हवाई संपर्क के नक्शे पर और आगे ले जाएगा और यात्रियों के लिए समय, धन और ऊर्जा की बचत करेगा। संजीव अरोड़ा ने कहा कि राज्य के आर्थिक विकास को गति देने के लिए परियोजना का समय पर पूरा होना समय की मांग है।संजीव अरोड़ा ने यह भी कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के उदासीन रवैये के कारण परियोजना में देरी हुई है यदि समय-सीमा के अनुसार काम किया गया होता तो यह 31 मार्च, 2022 तक पूरा हो गया होता। उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट उनके लिए एक 卐ड्रीम प्रोजेक्ट卐 है क्योंकि यह न केवल लुधियाना और इसके आसपास बल्कि पूरे राज्य में व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने वाला है। उन्होंने कहा, मैं अगले आने वाले महीनों में अपने सपने के सच होने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।

अंबेडकर नवयुवक दल द्वारा डॉ भीमराव अंबेडकर जी के 132वें जन्मदिवस विशाल शोभा यात्रा का आयोजन

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना - संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर जी के 132वें जन्मदिवस के अवसर पर अंबेडकर नवयुवक दल द्वारा एक विशाल शोभा यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने शामिल होकर डॉ अंबेडकर के विचारों पर चलकर समाज के कल्याण में भागीदार बनने का प्रण लिया। इस अवसर पर मुख्य मेहमान के तौर पर लुधियाना केंद्रीय से विधायक अशोक पराशर पप्पी पहुंचे थे जिन्होंने इस भव्य आयोजन के लिए अंबेडकर नवयुवक दल के सरंक्षक राजीव कुमार लवली व प्रधान बंसी लाल प्रेमी की प्रशंसा की और सैंकड़ों की संख्या में पहुंचे लोगों के उत्साह को सराहा। इस मौके पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए, राजीव कुमार लवली और बंसी लाल प्रेमी ने कहा कि संविधान निर्माता डॉ बी.आर अंबेडकर ने भारत को एक महान संविधान दिया, जो आज देश के करोड़ों को सशक्त कर रहा है।

आज यदि कोई व्यक्ति हक से अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाता है, तो वह डॉ अंबेडकर की देन ही है। यह शोभा यात्रा डॉ. अंबेडकर के विचारों को घर-घर तक ले जाने और समाज में शिक्षा का प्रसार करने की सोच के साथ लोगों में जागरूकता का प्रसार करती है। विधायक अशोक पराशर पप्पी ने कहा कि आज यहां पहुंचकर उन्हें बहुत खुशी महसूस हो रही है। यहां बड़ी संख्या में लोग डॉ. अंबेडकर के विचारों को समाज के कोने-कोने तक पहुंचाने के लिए उत्साह के साथ शामिल हुए हैं। यह शोभा यात्रा डॉ ए.वी.एम पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, ईसा नगरी से शुरू होकर चर्च चौक, सीएमसी चौक, गुरुद्वारा छेवीं पातशाही, अंबेडकर नगर, बाबा थान सिंह चौक से होते हुए डीविजन न. 3, अहाता शेरजंग, रड़ी मोहल्ला, सुभानी बिल्डिंग चौक, शाहपुर रोड, फील्ड गंज से होकर पुराना जीटी रोड, घंटा घर चौक, माता रानी चौक, छावनी मोहल्ला, सलेम टाबरी होते हुए, जालंधर बाईपास स्थित संविधान निर्माता डॉ बीआर अंबेडकर जी की प्रतिमा के पास जाकर संपूर्ण हुई। जहां राजीव कुमार लवली ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सहयोगी संस्थाओं और शोभा यात्रा में बड़ी संख्या में शामिल हुए लोगों का धन्यवाद किया। यात्रा मार्ग में जगह-जगह स्वागती गेट लगाए गए थे। अलग-अलग संस्थाओं द्वारा लंगर प्रसाद की व्यवस्था भी की गई थी।

शोभा यात्रा में विशेष तौर पर लुधियाना इंप्रूवमेंट ट्रस्ट के चेयरमैन तरसेम सिंह भिंडर, सुरेश गोयल चेयरमैन पंजाब स्टेट कोऑपरेटिव एग्रीकल्चर डेवलपमेंट बैंक, वरिष्ठ भाजपा नेता एस.आर लद्धड़, कोषाध्यक्ष पंजाब भाजपा गुरदेव शर्मा देबी, पूर्व पार्षद गुरदीप सिंह नीटू, नवजोत जर्ग चेयरमैन पंजाब जेनको लिमिटेड, वरिष्ठ अकाली नेता हरभजन सिंह डंग, पूर्व मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू के मीडिया सलाहकार सुरेंद्र डल्ला, हर्षित शीतल, एडवोकेट इंद्रजीत, वेदांत, शिव, तनिष्क, राहुल भी मौजूद रहे।

यूनिसेफ की टीम ने लगाई चौपाल

अरविन्द कुमार यादव
क्यूँ न लिखूँ सच

श्रावस्ती- जिले में भ्रमण कार्यक्रम मे यूनिसेफ की टीम विकास खण्ड इकौना के अन्तर्गत ग्राम मझौवा सुमाल के उच्च प्राथमिक विद्यालय में यूनिसेफ़ की कंट्री चीफ सिंथिया, यूनिसेफ उत्तर प्रदेश चीफ ज़कारी ऐडम ने स्कूल पहुंचकर छात्र-छात्राओं/अध्यापक/अध्यापिकाओं से सीधे संवाद किया। और उन्हें दी जा रही शिक्षा के बारे में जानकारी ली। सरकार द्वारा बच्चों को दी जा रही शिक्षा एवं अन्य व्यस्थाओं को देखकर उन्होंने सराहना भी की। तदोपरान्त यूनिसेफ की टीम इसी ग्राम पंचायत के अंतर्गत स्थित गुलवरिया पहुंची। जहां पर बाल विकास विभाग द्वारा खुशी चौपाल लगाई गई थी। उसका यूनिसेफ की चीफ ने दीप प्रज्जवलन कर शुभारंभ किया। तथा विभाग द्वारा बच्चों को दी जा रही सुविधाओं के बारे में भी जानकारी ली। यहां आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा उनका सम्मान भी किया गया। तथा उनके द्वारा भारतीय संस्कृति के पारंपरिक गीत भी प्रस्तुत किए गए। जिस पर यूनिसेफ की चीफ सहित उनकी टीम ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को बधाई दी। वहीं पर उपस्थित राष्ट्रीय आजीविका मिशन द्वारा गठित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से भी रूबरू हुई और मन लगाकर अपने समूह की प्रगति बढ़ाने की अपेक्षा भी की।इस अवसर पर यूनिसेफ की चीफ ने अपने संबोधन में कहा कि दो दिवसीय दौरे पर इस आकांक्षात्मक जनपद श्रावस्ती में मै आई हूं। यहां पर जिलाधिकारी नेहा प्रकाश की अगुवायी में शिक्षा, स्वास्थ्य, बच्चों को कुपोषण से मुक्ति हेतु कार्यक्रम एवं बाल विवाह रोकने हेतु जो भी कारगर कदम उठाए गए हैं वह बहुत ही सराहनीय है। ऐसे ही इन कार्यक्रमों को बच्चों, महिलाओं एवं बालिकाओं के हित में और आगे बढ़ाने की जरूरत है। इसके लिए यूनिसेफ हमेशा जिला प्रशासन के साथ सहयोग के लिए तत्पर रहेगा। ताकि जिले के चहुंमुखी विकास में ओर तेजी लाई जा सके।

मारहरा में धूमधाम से निकाली गई बाबा भीमराव अंबेडकर की शोभायात्रा

योगेश मुदगल
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा- मारहरा में बाबा भीमराव अंबेडकर की शोभायात्रा मोहल्ला मखमूलगंज स्थित बौद्ध पार्क से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गो द्वारा होते हुए मीरा की सराय स्थित अंबेडकर पार्क पर संपन्न हुई शोभायात्रा में बाबा साहब डॉ0 भीमराव अंबेडकर के अलावा दर्जनों महापुरुषों झांकियां और बैंड बाजे शामिल किये गये। बैंड बाजों की धुन पर युवा खूब थिरके।

वहीं बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की घरों में आरती उतारी गई और आशीर्वाद लिया गया। यात्रा में सभी लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया इसी के साथ साथ मोहनसती और पिवारी में भी शोभायात्रा निकाली गई। बाबा भीमराव अंबेडकर की शोभायात्रा में थाना मारहरा, थाना मिरहची, थाना पिलुआ का विशेष सहयोग रहा। यात्रा में मुख्य रूप से अध्यक्ष ताराचंद, राहुल भारद्वाज, गौरव गुप्ता उर्फ गोल्डी, कालीचरण, लक्ष्मण सिंह ओम प्रकाश सागर बदन सिंह आदि लोग मौजूद रहे

नाजायज चरस साथ एक गिरफ्तार

प्रेमचंद जायसवाल
क्यूँ न लिखूँ सच

श्रावस्ती- प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार तिवारी थाना इकौना जनपद श्रावस्ती मय पुलिस टीम के द्वारा चौराहे के पास अभियुक्त राज पुत्र जिबराईल हक निवासी मोहल्ला मुबारक नगर कस्बा इकौना थाना इकौना जनपद श्रावस्ती को 250ग्राम नाजायज चरस (कीमत लगभग रु0 75,000) के साथ गिरफ्तार कर थाना इकौना पर मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही किया गया।

विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

लंकीन प्रसाद वर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

श्रावस्ती- जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रावस्ती के तत्वाधान में विधिक जागरूकता/साक्षरता शिविर का आयोजन स्थान-ग्राम पंचायत सचिवालय मोतीपुर कलां विकास खण्ड सिरसिया जनपद श्रावस्ती में किया गया। उक्त कार्यक्रम में कानूनी जानकारी और जनजातियों से संबंधित और महिला अधिकार, शिक्षा का अधिकार पीड़ित क्षतिपूर्ति योजना के बारे में निराकरण हेतु संबंधित को निर्देश दिये गये। उक्त कार्यक्रम में रामचन्द्र यादव-। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, श्रावस्ती लोगों को निर्देशित कर बताया कि आज के समय में महिलाएं हर क्षेत्र में अपना योगदान दे रही हैं। घर हो या बाहर महिलाएं बखूबी अपने काम को सही से करती हैं लेकिन कुछ वजहों के चलते उन्हें कई सारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अगर महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों के बारे में जानकारी होगी तो वह किसी भी प्रताड़ना को सहने से पहले उसके खिलाफ अपनी आवाज उठा सकती हैं। भारतीय नागरिक प्रक्रिया संहिता के अनुसार यदि किसी महिला आरोपी को सूर्यास्त यानी शाम 6 बजे के बाद या सूर्योदय यानि सुबह 6 बजे से पहले गिरफ्तार किया जाता है तो वह भी कानून के खिलाफ है। धारा 160 के अनुसार अगर किसी महिला से पूछताछ भी करनी है तो उसके लिए एक महिला कांस्टेबल या उस महिला के परिवार के सदस्यों की मौजूदगी होना जरूरी है अगर किसी महिला का उसके ऑफिस में या किसी भी कार्यस्थल पर शारीरिक उत्पीड़न या यौन उत्पीड़न किया जाता है तो उत्पीड़न करने वाले आरोपी के खिलाफ महिला शिकायत दर्ज कर सकती है। तथा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, द्वारा गरीब व असहाय को दिलाये जा रहे पीड़ित क्षतिपूर्ति योजना, नि:शुल्क विधिक सहायता, के बारे में जागरूक किया। इसी क्रम में रामबरन बीडीओ सिरसिया, ने जनजातियों को प्रदान की जा रही विशेष सुविधा तथा शिक्षा हेतु जागरूक कर गांव से लेकर शहर तक सभी को शिक्षा के प्रति जागरूक होकर बच्चों को शिक्षा की तरफ आकर्षित कराना चाहिए। जिससे अधिक से अधिक बच्चे शिक्षा की मुख्य धारा से जुड़ सकें। इसलिए हर माता-पिता को अपने बच्चों को पढ़ाने के लिए स्कूल भेजना चाहिए। ऐसा करने से बच्चों का बौद्धिक विकास के साथ संस्कार भी आएंगे।उक्त कार्यक्रम में जय प्रकाश यादव प्रधान बनकटवा कलां, राम करतार राना, डीपीएस रनियापुर शिक्षक, दिनेश पटेल चीफ एलएडीसी श्रावस्ती, जगदम्बा त्रिपाठी, डिप्टी चीफ एलएडीसी श्रावस्ती, अरूण कुमार श्रीवास्तव, असिस्टेंट एलएडीसी श्रावस्ती, तथा अन्य ग्रामवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पैनल अधिवक्ता अशोक कुमार शर्मा एड0 द्वारा किया गया।

विभिन्न शिक्षण- संस्थाओं में अनेक जागरूकता एवं जनजागरण के लिए सूचना प्रदत्त कार्यक्रम आयोजित किए

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली- रिठौरा। प्रदेश के मुखिया योगी जी के आवाहन पर बरेली पुलिस के महानिरीक्षक डा.राकेश कुमार सिंह द्वारा मिशन शक्ति व साइबर क्राइम पर जनपद के विभिन्न शिक्षण- संस्थाओं में अनेक जागरूकता एवं जनजागरण के लिए सूचना प्रदत्त कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इसी क्रम में खण्डेलवाल कॉलेज में भी उक्त विषयों पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम व नुक्कड़ नाटक आयोजित किए गए। कार्यक्रमों की उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए बी.एड की छात्रा काजल सोनी को सम्मानित किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डा.आर.के.सिंह, प्रवक्ता सविता सक्सेना एवं रतिका चावला को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके द्वारा किए गए कार्यों के सफल आयोजन के लिए सम्मानित कर सराहना की गई।

जंगल आग धधक रहे वन संपदा हो रहे बर्बाद

राष्ट्रीय उद्यान रेहण पार्क परिक्षेत्र की टीम अभी भी नहीं दे रहा इस पर कोई ध्यान

रामचंद्र जायसवाल
क्यूँ न लिखूं सच

सूरजपुर- जंगल आग धधक रहे वन संपदा हो रहे बर्बाद... वन विभाग गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान रेहण पार्क परिक्षेत्र की टीम अभी भी नहीं दे रहा इस पर कोई ध्यान ... जिले के दूरस्थ ग्राम चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में विगत एक सप्ताह से जंगल में भीषण आग लगी हुई है। इस आग पर गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान रेहण्ड पार्क परिक्षेत्र क्षेत्र महुली, वन विभाग बिहारपुर द्वारा आग पर काबू पाने के लिए कोई प्रयास नहीं किए जा रहे हैं। ऐसे में जंगल के आस-पास स्थित ग्रामीणों के घर अब आग की चपेट में आ सकते हैं। इस आग ने जंगल के बीच वन प्राणी छोटी बड़ी विशाल पेड़ वही प्रदूषण गांव की ओर कई बीमारियों को दे रहा हैं न्यौता पुरा गाव हो रहा हैं धुआं धुआं । अवन्तिकापुर, कोल्हुआ,

महुली, कछवारी, चोंगा, खैरा, करौटी पेंडारी, पासल, नवडिहा, कछिया, जुडवनीया मोहरसोप, बसनरा, खोहिर, बैजनपाठ, लुल, तेलाईपाठ, भून्डा, रसौकी, रामगढ़, उमझर, पालकेवरा, छतरंग, बाक, के जंगल हो रहे हैं प्रभावित ।गौरतलब है कि सूरजपुर जिले के चांदनी बिहारपुर के जंगल में क़रीब सप्ताह भर से भीषण आग लगी हुई है। आग को बुझाने न तो प्रशासन, नही गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान

एव वन विभाग द्वारा कोई प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे में उन ग्रामीणों को परेशानी हो रही है जिनके घर जंगल के बीच स्थित हैं। जंगल में लगी आग का रुख अब इन गांव की ओर हो गया है। जंगल में चारों ओर आग की लपटें और धुएं के गुबार नजर आने लगे हैं। चांदनी-बिहारपुर से लगे पहले ही जगल में आग ने भीषण रूप लिया और जंगल पूरी तरह से जलकर खाक हो गया। जंगल में लगी भीषण आग से पूरा जंगल साफ हो जा रहा हैं। वन विभाग ने भी मदद के लिए हाथ नहीं बढ़ाया हैं। वहीं क्षेत्र के लोगों ने आग

को बुझाने की मांग वन विभाग से की है। छत्तीसगढ़ मध्यप्रदेश सीमा लगा गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान का जंगल है इसलिए मध्य प्रदेश के सिंगरौली के ग्रामीण महुआ बनने के लिए बसेरा लेकर उद्यान क्षेत्र में डेरा जमाए हुए हैं ग्रामीणों का कहना है महुआ फुल बिन्नी के लिए आए हुए हैं गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान का रेंजर महीनों से चांदनी बिहारपुर क्षेत्र से नदारद है गुरु घासीदास एवं वन विभाग द्वारा बताया जाता है कि जंगल में आग लगने से हमें सेटेलाइट द्वारा रायपुर से ही पता चल जाता है लेकिन यह सब नाकाम साबित हो रहा है इसके बारे में तब गुरु - गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान के रेंजर ललित साय पैकरा से बात किया गया तो उनके द्वारा बताया गया कि हमें भी जानकारी है कहां-कहां आग लगा है बॉडीगार्ड एवं फरवाच भेजकर आग बुझाने का प्रयास किया जा रहा है*

बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर की जयंती बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई गई

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली- रिठौरा।भारत रत्न, संविधान निर्माता, बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर की जयंती शुक्रवार को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई गई।

प्राथमिक विद्यालय रिठौरा, पी0एन0दीवान पब्लिक स्कूल, दरबारी लाल शर्मा इण्टर कॉलेज में सर्वप्रथम

बाबा साहब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। प्रधानाचार्य आशीष कुमार सिंह ने बाबा साहब के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए बच्चों को अवगत कराया।सबको समाज में सिर ऊंचा करने का हक बाबा साहब ने ही दिलवाया है।हम सबको संविधान के आधार पर बनाए गए। कानून का सदैव पालन करना चाहिए। बच्चों ने जन-जागरूता रैली निकाली, तथा फल वितरित किए गये।

इस मौके पर प्रधानाध्यापिका एकता सक्सेना, बन्दना सक्सेना, अल्पना सक्सेना,सोनी शंखधार, दुर्गा सिंह,दीक्षा सिंह, काशिफा कय्यूम, प्रवेश पाठक, प्रदीप कुमार गुप्ता, पुष्पेन्द्र कुमार, ब्रजेश शर्मा आदि स्टाफ मौजूद रहा।

मौलाना राबे हसनी नदवी को तकिया में सुपुर्द ए खाक किया गया, राजनाथ सिंह, सीएम योगी ने जताया शोक

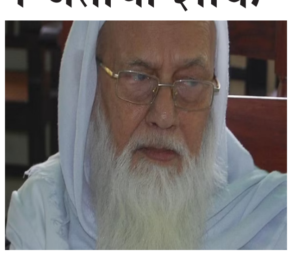

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, बसपा प्रमुख मायावती और पसमांदा मुस्लिम समाज के अध्यक्ष व पूर्व राज्य मंत्री अनीस मंसूरी ने मौलाना राबे के निधन पर दुख जताया। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष और दारुल उलूम नदवतुल उलमा लखनऊ के मौलाना राबे हसनी नदवी का शव रायबरेली शहर के तकिया लाया गया। तकिया में शुक्रवार को नमाज पढ़ी गई और उसके बाद गमगीन माहौल में उनको सुपुर्द ए खाक किया गया। इस दौरान रायबरेली, लखनऊ और आसपास के जिलों के हजारों लोग मौजूद रहे। नदवी पूरे साल कहीं भी रहते रहे हो लेकिन रमजान के दिनों में वह तकिया में ही निवास करते थे। रमजान के समय वह तकिया में थे लेकिन अचानक बीमार हो गए और उनको लखनऊ ले जाया गया जहां बृहस्पतिवार को उनका निधन हो गया। दारुल उलूम नदवातुल उलेमा के प्रमुख, आल इण्डिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष व इस्लामिक विद्वान मौलाना राबे हसन नदवी के निधन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनके परिजन मौलाना जाफर नदवी से फोन पर बात की और शोक संवेदना प्रकट की।ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना सैयद राबे हसनी नदवी का निधन पूरी दुनिया खास कर इस्लामिक दुनिया के लिये अपूर्णनीय क्षति है। मौलाना राबे हसनी नदवी का जन्म 29 अक्टूबर 1929 को रायबरेली के तकिया कलां में हुआ था। उन्होंने शुरुआती शिक्षा रायबरेली में ही पूरी की। उसके बाद उच्च शिक्षा के लिये नदवतुल उलमा आ गये। 1948 में नदवे से डिग्री हासिल करने और 1949 में शिक्षा पूरी करने के बाद नदवा में सहायक शिक्षक के तौर अपनी सेवाएं दीं। मौलाना खालिद रशीद ने बताया कि वह 1950 से 1951 तक सऊदी अरब में रहे। सन 1970 में उनकी शैक्षिक सेवाओं को देखते हुये राष्ट्रपति अवार्ड से सम्मानित किया गया। 1993 में नदवा के प्रधानाचार्य बनाये गये। उसके बाद 1999 में नदवा के वाइंस चांसलर व साल 2000 में मौलाना अली मियां के निधन के बाद चांसलर बनाये गये। मौलाना फरंगी महली ने बताया कि मौलाना राबे ने उर्दू और अरबी में करीब 30 पुस्तकें लिखीं थीं। मौलाना आलमी राबता अदब ए इस्लामी रियाद के कुलपति भी थे। का एक प्रतिभाशाली बुद्धिजीवी और महान आलिम बताया। उन्होंने कहा कि मौलाना के निधन से मुस्लिम दुनिया को अपूर्णीय क्षति हुई है। मौलाना ने कहा कि मौलाना राबे नदवी जैसी शख्सियत, बड़ी मुश्किल से पैदा होते हैं। उनकी सेवाओं के लिये उन्हें हमेशा याद किया जाएगा। शिया धर्मगुरू मौलाना सैफ अब्बास नकवी ने मौलाना राबे के निधन पर दुख जताते हुये कहा कि मौलाना का इंतकाल पूरी दुनिया की इंसानियत के लिये नुकसान है। वहीं मौलाना अबुल इरफान मियां फरंगी महली ने भी मौलाना राबे हसनी नदवी के निधन पर दुख जताया। जमात ए इस्लामी हिंद पूर्वी यूपी के अध्यक्ष डा. मलिक मोहम्मद फैसल फलाही ने मौलाना राबे हसनी नदवी के निधन पर गहरा दुख जताते हुये कहा कि मौलाना प्रेम, विनम्रता, एकता, धैर्य और सहिष्णुता के बड़े उदाहरण थे।

शूटर गुलाम का परिवार नहीं लेगा उसका शव, मां बोली- UP-STF ने ठीक किया, हर अपराधी लेगा सबक

उमेश पाल हत्याकांड के आरोपी पांच लाख के इनामी शूटर असद अहमद और गुलाम हसन को पुलिस ने झांसी में मुठभेड़ में मार गिराया। गुलाम हसन वही शख्स है जो उमेश पाल की हत्या के पहले उनके घर के पास एक इलेक्ट्रॉनिक की दुकान पर खड़े होकर सामान खरीदने का नाटक कर रहा था। असद के साथ एनकाउंटर में मारा गया गुलाम हसन भाजपा अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के पूर्व जिलाध्यक्ष राहिल हसन का भाई है। उमेश पाल हत्याकांड के बाद राहिल हसन को भी पुलिस ने हिरासत में लिया था और करीब 14 दिन तक पूछताछ के बाद उसे छोड़ दिया था। गुलाम की मुठभेड़ में मौत के बाद उसके भाई राहिल हसन ने कहा कि वह गुलाम हसन का शव नहीं लेंगे। वह आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति था। उसने हमारे परिवार की छवि को मिट्टी में मिलाने का कार्य किया है। इसलिए हम उसके शव को नहीं लेंगे। वहीं गुलाम की मां खुशनुदा ने कहा कि, जितने भी गंदा काम करने वाले हैं वह जिंदगी भर याद रखेंगे। हमारे हिसाब से (क्कस्न्ञ्जस्न ने) गलत नहीं किया। तुमने किसी को मारकर गलत किया और जब तुम्हारे पर कोई आया तो हम उसको गलत कैसे कहें? मैं शव को नहीं लूंगी। उसकी पत्नी का उन पर हक है, मैं उसको मना नहीं कर सकती। मैं अपनी जिम्मेदारी लेती हूं कि हम नहीं लेंगे। उमेश पाल हत्याकांड के आरोपी पांच लाख के इनामी शूटर असद अहमद और गुलाम हसन को पुलिस ने झांसी में मुठभेड़ में मार गिराया। गुलाम हसन वही शख्स है जो उमेश पाल की हत्या के पहले उनके घर के पास एक इलेक्ट्रॉनिक की दुकान पर खड़े होकर सामान खरीदने का नाटक कर रहा था। जैसे ही उमेश पाल पहुंचते हैं वह उन पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाने लगता है। गत दिनों गुलाम के रसूलाबाद स्थित घर को पुलिस और पीडीए ने बुलडोजर से जमींदोज कर दिया था।

राजश्री में समानता दिवस पर भारतरत्न बाबा साहब को याद किया

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली- रिठौरा।राजश्री इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेण्ट एण्ड टेक्नोलॉजी, बरेली में भारतीय संविधान के शिल्पी, भारतरत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयन्ती के अवसर पर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर संस्थान के चेयरमैन राजेन्द्र कुमार अग्रवाल व सचिव राकेश कुमार अग्रवाल ने भारतीय संविधान के निर्माता के रूप में उनके कार्यों व योगदान से अवगत कराया। साथ ही संस्थान में अध्ययनरत् छात्र-छात्राओं के साथ भारत में आजादी के बाद जाति-व्यवस्था जैसी कुरीतियों का विरोध करते हुए पिछड़े एवं वंचित वर्ग के अधिकारों जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाने के लिये याद किया। इस अवसर पर राजश्री संस्थान के ट्रस्टी पीयूष गुप्ता, निदेशक (शैक्षणिक) डा. अनिल कुमार, निदेशक (शोध एवं विकास) डा0 पंकज शर्मा, डीन डा. साकेत अग्रवाल, रजिस्ट्रार दुष्यन्त माहेश्वरी, प्राचार्य डा0 मुकेश गंगवार, डा0 सी0पी0 गंगवार, डा0 शोएब खान, डा. सुचेता सिंह, डा. दुर्गालाल शर्मा, संजय सिंह आदि मौजूद रहे।

चोरी के मोबाईल सहित 1 आरोपी को चौकी करंजी पुलिस ने किया गिरफ्तार

रामचंद्र जायसवाल
क्यूँ न लिखूं सच

सूरजपुर- ग्राम राई निवासी आयुष जायसवाल ने चौकी करंजी में रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 30.03.2023 के दरम्यानी रात ग्राम दतिमा चौक स्थित आयुष मोबाईल दुकान के सीमेंट सीट को तोड़कर दुकान के अंदर प्रवेश कर दुकान में रखे 2 नग मोबाईल, नगदी 13000 रूपये कुल 27100 रूपये को कोई अज्ञात चोरी कर लिया है। रिपोर्ट पर धारा 457, 380 भादसं. के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। मामले की सूचना पर पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) ने अज्ञात चोर की पतासाजी कर जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश चौकी प्रभारी करंजी को दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह व

सीएसपी जे.पी.भारतेन्दु के मार्गदर्शन में चौकी करंजी पुलिस के द्वारा मामले की विवेचना की गई इसी दौरान मुखबीर की सूचना पर संदेही राकेश उर्फ पिनट सिंह पिता स्व. प्रेमसाय उम्र 20 वर्ष निवासी ग्राम सकलपुर, थाना भटगांव को पकड़ा गया। पूछताछ पर उसने चोरी की वारदात को अपने 1 अन्य साथी के साथ मिलकर अंजाम देना स्वीकार किया जिसके निशानदेही पर 1 नग मोबाईल कीमत 7600 रूपये व नगदी रकम 300 रूपये बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। मामले में फरार 1 अन्य आरोपी की पतासाजी की जा रही है। इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी करंजी संजय गोस्वामी, एएसआई गुड्डु कुशवाहा, प्रधान आरक्षक सुनील भारती, आरक्षक राजीव तिवारी, चन्द्र प्रकाश पाल व जितेन्द्र सिंह सक्रिय रहे।

मैस्कॉट ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस में अंबेडकर जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली-रिठौरा। मैस्कॉट ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस में अंबेडकर जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ मैस्कॉट ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस के अध्यक्ष शिवकुमार अग्रवाल सचिव सुशील अग्रवाल द्वारा डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा कर माल्यार्पण करके किया गया तत्पश्चात संस्थान के निदेशक डॉक्टर आलोक कुमार उपाध्याय ने अंबेडकर जी के जीवन पर प्रकाश डाला साथ ही छात्र-छात्राओं ने भी अंबेडकर जी के व्यक्तित्व और कृतित्व के बारे में अपने विचार प्रस्तुत किए। मैस्कॉट कॉलेज आफ एजुकेशन के प्राचार्य डॉक्टर जयकरन माथुर ने अंबेडकर जी के द्वारा किए गए शिक्षा के क्षेत्र में कार्यों के बारे में छात्र -छात्राओं को बताया इस अवसर पर संस्थान के शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी मौजूद रहे।

'World's richest T20 league', Saudi Arabia proposes to IPL owners

Currently, the Board of Control for Cricket in India (BCCI) bars Indian players from participating in leagues abroad. However, with the proposal of the Saudi Arabian government to set up a new T20 league, the Indian board may change its stand on the matter. Indian Premier League (IPL) 2023 continues to be the most lucrative T20 league in the world. Be it in terms of finance or participation of world-class players in the league or social media presence, IPL has no match when compared to other T20 leagues around the world. However, things may change soon as media reports suggest that Saudi Arabia has reportedly offered

IPL owners to set up the "world's richest T20 league" in their country. After investing heavily in other sports like football and Formula-One, Saudi Arabia is now eyeing cricket. Currently, the Board of Control for Cricket in India (BCCI) bars Indian players from participating in leagues abroad. However, with the proposal of the Saudi Arabian government to set up a new T20 league, the Indian board may change its stand on the matter. According to a report in The Age, the subject has been in talks for almost a year now, but the league will need to be approved by the International Cricket Council (ICC) before anything becomes concrete. Recently ICC President Greg Barclay confirmed Saudi Arabia's interest in cricket. He had said- If you look at the other sports he has been involved in, I think cricket would be attractive to him. Cricket will work very well for Saudi Arabia considering their progress in the game in general. Barclay said – he is very keen to invest in cricket. Prince Saud bin Mishaal Al-Saud, president of the Saudi Arabian Cricket Federation, told Arab News last month – Our aim is to create a sustainable industry for locals and expatriates living in the Kingdom, and to make Saudi Arabia a global cricket destination. As per reports, several representatives of the Saudi government and businesses have been seen around India's cricketing activities. He has been trying to woo the IPL owners and the BCCI itself in their planned T20 league. The Asia Cup tournament may be held in Saudi Arabia in the future. Apart from this, the opening match of IPL or some matches can also be held there.

Live matches will be seen in 'Fan Park', digital streaming of matches will be held in more than 35 cities of 13 states

Fan Park will have digital streaming of IPL matches in Ghaziabad, Gorakhpur and Rohtak on 15th April. Matches will be shown in Nashik, Ajmer and Kochi on 16th April. The gates of Tata IPL Fan Park will open from 1.30 pm. The excitement of IPL is raising the heads of the fans. Many very interesting matches have been played so far, which has made this season a super hit. Jio Cinema app is broadcasting live IPL matches on digital medium for free. In such a situation, the number of people watching this league has increased. Now with an aim

to bring the excitement of cricket to every internet user, Jio-Cinema is all set to digitally stream live matches at 'Tata IPL Fan Parks'. Matches will be shown in open grounds of more than 35 cities in 13 states. Jio-Cinema is the official digital broadcaster of the current season. Entry to the 'Tata IPL Fan Park' will be free. Cricket lovers will be able to enjoy live-streamed matches through the Jio-Cinema app on the big LED screen. Family Zone, Kids Zone, Food and Beverage and Geo-Cinema Experience Zone will also be created here for the spectators to enjoy the cricket in the open grounds. Along with this, Jio-Cinema has released the schedule for 15 and 16 April. Accordingly, the live streaming of the Royal Challengers Bangalore vs Delhi Capitals match will be done on April 15 at 'Tata IPL Fan Park' in Rohtak, Haryana along with Ghaziabad and Gorakhpur in UP. The second match of the day will be between Lucknow Supergiants and Punjab Kings. Spectators will be able to enjoy both the matches. After this, fans from Nashik, Ajmer and Kochi will be able to watch both the matches on April 16 at the Fan Park. The first match will be between Mumbai Indians and Kolkata Knight Riders. In the second match, the teams of Gujarat Titans and Rajasthan Royals will be face to face. The gates of Tata IPL Fan Park will open from 1.30 pm. Viacom-18 spokesperson said – Fans are getting to watch world-class sports at their convenience, but we want it to reach across the country. Whether viewers watch it at home or out in the field with friends. The record viewership on Jio-Cinema in the initial matches is a testimony to the fact that viewers are giving preference to digital. Tata IPL on Jio-Cinema has seen many records being broken. The first weekend of Tata IPL saw a record 147 crore cricket video views on Jio-Cinema. This is more than the total number of videos watched in the entire last season. Even the 2022 ICC T20 World Cup did not see such a huge number of videos. Fan Parks will be organized at- Date City Venue-15 April Ghaziabad Ramlila Maidan, Clock tower- 15 April Gorakhpur Marwar Inter College, Nasirabad- 15 April Rohtak Old ITI Dussehra Ground, 16 April Nashik Chhatrapati Shivaji Stadium 16 April Ajmer Dayanand College, Ram Ganj Area - April 16 Kochi Stadium Ground, Jawaharlal Nehru Stadium, Kaloor, Ernakulam

Sandeep Sharma's 10-month-old daughter, who stopped Dhoni-Jadeja from hitting a six, also saw the match, reaction viral

Sandeep's wife Tasha Sharma posted a video after Rajasthan won the match. In which a 10-month-old girl was seen cheering Sandeep in the last over. Rajasthan Royals pacer Sandeep Sharma became the hero by bowling the last over against Chennai Super Kings. He did not allow Mahendra Singh Dhoni and Ravindra Jadeja to score 21 runs in the last over and gave Rajasthan the victory. Dhoni hit sixes on the next two balls after being beaten on the first ball. On the last three balls, Chennai had to score seven runs to win, but Sandeep bowled all three yorkers and allowed Dhoni-Jadeja to score only three runs. Many people are praising Sandeep's bowling. However, a video has also surfaced in which Sandeep's daughter is also seen very happy on her father's achievement. Actually, Sandeep's wife Tasha Sharma posted a video after Rajasthan won the match. In which a 10-month-old girl was seen cheering Sandeep in the last over. This girl is the daughter of Sandeep and Tasha. The baby girl of both was seen smiling sitting on Tasha's lap. In its caption, Tasha wrote – When she saw her father on TV. Daddy's Girl. Rajasthan Royals defeated Chennai Super Kings by three runs in the 17th match of IPL 2023. With this victory, the Rajasthan team reached the top of the points table. In the match, Chennai needed 5 runs on the last ball to win and the strike was with Dhoni, but he failed to hit the boundary on the last ball and Chennai lost the match. Chennai needed 21 runs to win in the last over and Dhoni was standing at the crease. In such a situation, it was natural for Sandeep Sharma to come under pressure and he was also seen under pressure. Sandeep bowled the first two balls of the over wide, after that he did not give any run on the first legal delivery of the over, but Dhoni hit two sixes in the next two balls. Chennai needed 7 runs to win the last three balls and everyone felt that Chennai would win now, then Sandeep made a tremendous comeback. Sandeep bowled the last three balls of the yorker. Dhoni took a single on the fourth ball. In such a situation, Jadeja got strike. Jadeja took a single on the fifth ball of the over on Sandeep's yorker. Dhoni had to play the last ball of the match and the fans were expecting a six from Dhoni, but Sandeep bowled the ball into the blockhole and Dhoni could only take one run. This win is Rajasthan's first win at Chennai's home ground in 15 years, surprisingly Sandeep Sharma went unsold in this year's mini auction. Rajasthan Royals included Sandeep Sharma in their team as a replacement for the fast bowler famous Krishna.

These beautiful beauties of Bollywood were seen together, netizens started praising after seeing the pictures

Bollywood actress and Alia Bhatt's mother Soni Razdan recently shared a beautiful picture on her social media account, seeing which netizens are not stopping themselves from expressing

their reactions. Soni shared a picture on Instagram, in which Neena Gupta, Zeenat Aman and Soni are seen along with Anu Ranjan. Sharing the photo, the actress also wrote a lovely caption. Thank you @nkhan_amrohi for this very special evening... and it was a much needed meeting. Seeing which social media users are unable to stop themselves from commenting. One user wrote, "Such a lovely picture. All the ladies look absolutely fabulous. I recently saw a wonderful interview of yours in which you mentioned that Zeenat ji is your favorite already, how lovely to see you both in one picture." Thank you so much for sharing this picture."Soni Expressing love on this post, actress Zeenat Aman has also re-shared this post, after which social media users are showering love on this post. Let us tell you that ever since she created her social media account, Zeenat has dominated the internet. Netizens are loving her Instagram post a lot. These Bollywood actresses attended Satish Kaushik's 67th birthday bash. Neena, looking stunning in a white saree, shared a picture and wrote, "Wherever you are, we are celebrating your birthday Kaushik. Happy birthday...specially prepared for you #SatishKaushik." Talking about Satish at the function, she said, "I was pregnant and it was a contentious pregnancy. I was tensed about what I would do in life. I used to meet only two people during my pregnancy. Om Puri and Satish Kaushik. Satish used to say to me, 'Nancy, don't worry if your child is black, I will say it is mine.'

Hema Malini called 'Bihu' a festival of Bihar, apologized for being trolled

Recently Hema Malini was in news for traveling in Mumbai Metro. On social media, users heaped praises on actress and Mathura MP Hema Malini. But, today suddenly everyone is seen trolling the same Hema Malini. What happened after all? ... So tell that the reason behind this is a tweet by Hema Malini, in which she called Bihu a festival of Bihar. When the users started trolling her, the actress has apologized profusely. Let us tell you that Bihu is an

important festival celebrated in Assam. In Assam, 'Bohag Bihu' marks the arrival of the new year. This festival, associated with the celebration of the harvest being ready, is celebrated with great pomp in Assam. But, Hema Malini mistakenly called it a festival of Bihar in a tweet to congratulate her, after which she was criticized on social media. After this, Hema Malini made another tweet and also apologized for her mistake. Hema Malini had earlier tweeted and wrote, 'This is the season of harvesting. Puthandu (New Year), Baisakhi (Punjab), Bihu (Bihar) and Poila Boishakh or Naba Barsha (Bengal) are some of the festivals celebrated today. Have a great festive month for all of you.' After this tweet, Hema Malini realized her mistake when she started being trolled. He has apologized on this issue in another tweet. Hema Malini has written, 'I have mistakenly told Bihu a festival celebrated in Bihar. I am sorry! It should be read Bihu, the festival of Assam. Let us tell you that recently Hema Malini was seen traveling in Mumbai Metro. This video of him became fiercely viral on social media. The actress described her experience of traveling in the metro as wonderful. Along with this, he has also advised other stars to walk in the metro.

The poignant story of the struggle of the Pali daughter of Shankuts, Allu Arha won hearts by becoming Bharat

The story of Shakuntala is scattered from the Adiparva of the Mahabharata to the Padmapurana and the great work 'Abhigyan Shankutalam' written by Kalidas. Shakuntala means cones (birds) were shifted. Every writer has created the character of Shakuntala according to his own. Dushyant's loss of memory is also used as an excuse by Durvasa Rishi

at some places, but this is the story of a girl whose parents abandoned her at birth. And, whose guardian loves her more than her real daughter. This is also the story of Shakuntala, who became pregnant in the moments of love manifestation, seeking justice from her husband. Shakuntala, born from the love affair of Rishi Vishwamitra and Apsara Menaka, has two forms, one Shakuntala who gives physical darshan of Shringar Rasa and one Shakuntala who has to regain her self-respect. Story of Bharat's mother Shakuntala - The film 'Shakuntalam' begins with the birth of its main character i.e. Shakuntala. Time passes and the maiden Shakuntala and King Dushyant of Hastinapur come face to face. When Shakuntala's guardian Kanva Rishi is not in the ashram, both of them have a direct introduction. Both have love. Both the Gandharvas marry. And Shakuntala becomes pregnant. Dushyant forgets his promise given in the excess of intimate moments. Dushyant refuses to recognize Shakuntala. The promise between the two is that only their progeny will sit on the throne of Hastinapur. And, these children are Bharata, after whom the country of India is named. Weak story of a strong woman - If you read the story of Shakuntala carefully, here too, like other mythological stories, the writers of this story have already created conspiracy theories to prove the innocence of its male character Dushyant everywhere. But, despite this, this is the first such established story of women empowerment in mythology in which a woman takes a vow to fight for justice for her son from a king who is fascinated by her looks. It is a matter of fact that due to the ring found by the fisherman, the story reaches its end by coming to a happy turn. But Gunasekhar, the writer and director of the film 'Shakuntalam' failed to understand the undercurrent of this story. The selection of Samantha Ruth Prabhu for the title role of the film is also a big mistake. Samantha's bargain build and physique doesn't look like a sage-girl born in the woods. Samantha is beautiful but she does not have the form, beauty and makeup of a well-groomed woman. He also fails to capture the essence of Shakuntala's character. Superb performance by Allu Arha- Dev Mohan, who is playing the character of Dushyant in the film 'Shakuntalam', has definitely tried his best to justify his choice as King Dushyant, but since the main focus of the film is on Shakuntala. Dushyant's character is not developed properly due to lack of script. The Hindi dubbing of both the lead characters is also not very effective. Some famous actors of Hindi cinema have also been roped in to establish the film's relation with Hindi-speaking areas, but none of them leave an impact except Prakash Raj. Yes, the performance of Allu Arha,

daughter of actor Allu Arjun, who plays the character of Bharat, is amazing. His childlike innocence and a natural radiance on his face give strength to his character. The work done by Allu Arha in the climax of the film wins the hearts of the audience.An average film based on mythology- Technically the film 'Shakuntalam' is not a great film. If the film had to be dubbed and released in Hindi, then the services of at least some established actors should have been taken in it. Irrespective of the impact of the film's music in the original language, Mani Sharma, who has been composing music for films dubbed in Hindi, has completely failed to understand the spirit of the film and the importance of music in its narrative here. A large part of the film has been shot in the studio with green, blue curtains and instead of these curtains, the efforts to give a mythological look to the film by replacing these curtains with sets made virtually during editing have not been successful. The film 'Shakuntalam' appears as such an undercooked film whose recipe was known to its director but he forgot to use balanced spices in making it.